



//-- सुविचार --//

कल से सीखो,
आज के लिए
जियो, कल के
लिए आशा रखो।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 05:33 प्रातः
अस्त : 05:57 संध्या

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	29.0	22.0
जमशेदपुर	33.0	25.0
हजारीबाग	30.0	22.0
डालतनगंज	33.0	24.0

संक्षिप्त खबरें

अवैध कोयला खनन के दौरान मलबे में दबकर तीन की मौत

धनबाद। धनबाद के कतरास रामकनाली ओपी क्षेत्र अंतर्गत केरलपुर कुमारपट्टी में रविवार सुबह अवैध कोयला खनन के दौरान बड़ा हादसा हो गया। अचानक मिट्टी का बड़ा हिस्सा धंसने से तीन लोगों की मौत होने की सूचना है। वहीं, कई और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि कुछ महिला और पुरुष अवैध सुरंगों में घुसकर कोयला काटने का काम करते थे। इसके बाद बाइक सवारों के माध्यम से कोयले की बिक्री की जाती थी। रविवार सुबह करीब सात बजे इसी दौरान अचानक मिट्टी का बड़ा हिस्सा धंस गया और लोग मलबे में दब गए। हादसे में केवटकुली निवासी मुनिया देवी और बेलोंजाबाद निवासी धर्नजय कुमार की मौत होने की सूचना सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि तीन अन्य लोगों को पहले ही बाहर निकाल लिया गया है। हालांकि, अभी भी कई लोगों के अंदर दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने कुदाल और गेंता की मदद से मलबा हटाने का काम शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद दोनों के शवों को बाहर निकाला गया। इसके बाद आनन-फानन में शवों को बाइक पर लादकर अस्पताल ले जाया गया। अवैध खनन के दौरान हादसा होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार है। फिलहाल, हादसे में कितने लोग दबे हैं और घटना की पूरी सच्चाई क्या है, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

ब्रिक्स पारंपरिक चिकित्सा पर ब्रिक्स विशेषज्ञ कार्य समूह के गठन पर सहमति

नई दिल्ली घोषणापत्र में मिला वैश्विक समर्थन

नई दिल्ली। देश में आयोजित हुए 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में स्वीकृत द्द्वनई दिल्ली घोषणापत्रह में पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा (टीसीआईएम) के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बड़ा बढ़ावा दिया गया है। घोषणापत्र में स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ बनाने और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के लक्ष्य को हासिल करने में टीसीआईएम की बढ़ती भूमिका को औपचारिक मान्यता दी गई है। साथ ही ब्रिक्स हेल्थ ट्रेक के तहत टीसीआईएम पर एक विशेष द्वाब्रिक्स विशेषज्ञ कार्य समूहह (एक्सपर्ट वर्किंग ग्रुप) स्थापित करने के प्रस्ताव का स्वागत किया गया है। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने इस निर्णय को वैश्विक स्वास्थ्य के लिए ऐतिहासिक कदम बताया।



उन्होंने कहा कि नई दिल्ली घोषणापत्र में टीसीआईएम को मान्यता मिलना पारंपरिक चिकित्सा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर है। प्रस्तावित विशेषज्ञ कार्य समूह सदस्य देशों के बीच ज्ञान साझा करने, अनुसंधान को बढ़ावा देने और साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करेगा। भारत वैज्ञानिक अनुसंधान, गुणवत्ता आश्वासन और

वैश्विक साझेदारी के माध्यम से आयुर्वेद व अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि सुरक्षित, प्रभावी और किफायती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित हो सके। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने बताया कि घोषणापत्र ब्रिक्स देशों के बीच टीसीआईएम पर एक संरचित सहयोग की नींव रखता है। यह कार्य समूह साक्ष्य साझा करने,

शोध साझेदारी बढ़ाने और विनियामक व गुणवत्ता मानकों को सुधारने में मददगार साबित होगा। भारत अपने आयुष इकोसिस्टम के जरिए वैज्ञानिक अनुसंधान और साक्ष्य-आधारित प्रथाओं को बढ़ावा देकर इस सहयोग में सक्रिय भूमिका निभाएगा। घोषणापत्र में उपचारात्मक और निवारक उद्देश्यों के लिए औषधीय पौधों और हर्बल उत्पादों पर केंद्रित अनुसंधान में सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया गया है। इसमें इस बात को रेखांकित किया गया कि ब्रिक्स देशों की पारंपरिक औषधीय पद्धतियां सुरक्षित और प्रभावी उत्पाद विकसित करने का बड़ा आधार बन सकती हैं। साथ ही, सदस्य देशों के राष्ट्रीय संदर्भों के अनुरूप साक्ष्य आधारित दृष्टिकोण और नियामक ढांचे के जरिए इन पद्धतियों की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता सुनिश्चित करने पर बल दिया गया है।



क्लाइमेट डिजास्टर्स और स्पलाई चेन डिस्ट्रक्शन ने दिखाया है कि आज के इंटर-कनेक्टेड वर्ल्ड में कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। इसलिए हमने ब्रिक्स समिट में रिजिलियंस बढ़ाने पर विशेष बल दिया है। प्रधानमंत्री ने बताया कि ब्रिक्स में संक्रामक रोगों की रोकथाम और प्रतिक्रिया के लिए ब्रिक्स इंटीग्रेटेड अली वार्निंग सिस्टम पर सहमति बनी है। आपदा प्रबंधन के लिए प्रारंभिक चेतावनी डेटा एकीकरण

दिशा-निर्देश तैयार किए गए हैं। ब्रिक्स लॉजिस्टिक्स स्पलाई चेन कोऑपरेशन फ्रेमवर्क हमारी स्पलाई चेन को अधिक विश्वसनीय और लचीला बनाने में सहायक होगा। उन्होंने बताया कि ब्रिक्स इनक्यूबेटर नेटवर्क के तहत हमारे स्टार्ट-अप्स और इनक्यूबेटर्स को जोड़ा जाएगा। इनोवेटिव और स्केलेबल समाधानों को बढ़ावा देने के लिए हमने ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड का प्रस्ताव रखा है। डिजिटल कृषि पर ब्रिक्स नेटवर्क किसानों के लिए नई सूची

तैयार करेगा। इसके माध्यम से एआई, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को किसानों की वास्तविक जरूरतों से जोड़ा जाएगा। हमने ब्रिक्स कनेक्ट के माध्यम से कौशल, रोजगार क्षमता, कार्यबल में महिलाओं, सामाजिक सुरक्षा और क्षमता निर्माण को बढ़ावा दिया है।' उन्होंने बताया कि छोटे उद्यमों को ज्ञान, वित्त और नए बाजारों से जोड़ने के लिए, ब्रिक्स एमएसएमई सहयोग पोर्टल को पहल की गई है।

PR.No:- 389453 (Personnel Administrative Reforms and Raj Bhasha) 26-27

संतन कुमार गंगवार
उपमन्त्री, राजभाषा

आ आ आ हिंदी आ आ आ
हिंदी दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं एवं जोहार

सन्देश
हिंदी हमारे देश की सबसे समृद्ध और व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। यह न केवल संवाद का माध्यम है, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और भावनाओं की अभिव्यक्ति का भी प्रमुख साधन है। हिंदी न केवल हमारी सांस्कृतिक पहचान है, बल्कि यह देश की एकता, अखंडता और भावनात्मक एकजुटता का भी संकेत साधन है। यह वह भाषा है जिसने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान इसे एक सूत्र में बांधा और आज भी देश के कोने-कोने में संवाद का सेतु बनाई हुई है।

हमारा आरखंड राज्य सांस्कृतिक विविधता और भाषायी समृद्धि से परिपूर्ण है। वहीं बोली जानेवाली संथाली, मुंडारी, हो, खोरठा, नागपुरी, कुइस आदि प्रजाजातीय / क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों के बीच हिंदी संवाद और समन्वय की भूमिका बखूबी निभा रही है। यह हम सबके लिए गर्व की बात है कि हिंदी ने हमारी भाषायी विविधता को एक सच्चा मंच प्रदान किया है। आज के युग में इसे हिंदी को केवल बोलचाल तक सीमित नहीं रखना है, बल्कि इसे शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, प्रशासन और रोजगार के क्षेत्रों में भी आगे बढ़ाना है। आरखंड में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार, शोध और विकास के लिए राज्य सरकार संकल्पित है, और इसके लिए आवश्यक कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

हिंदी दिवस इसे यह स्मरण कराता है कि इसे अपनी मातृभाषा का सम्मान करना है। इस अवसर पर राज्य के युवाओं, विद्यार्थियों, शिक्षकों, साहित्यकारों, सभी बुद्धिजीवियों और शिक्षण संस्थाओं से आग्रह है कि वे हिंदी भाषा के संरक्षण, संवर्धन और समृद्धि के लिए विस्तृत प्रयासरत रहें।

अतएव, हम सब मिलकर इस हिंदी दिवस पर यह संकल्प लें कि हिंदी को जल-जल की भाषा बनाने की दिशा में हम सभी अपनी भूमिका निभाएंगे।

समिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, आरखंड

संक्षिप्त

तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार दंपती को कुचला, दोनों की मौत

पत्नी। रांची के सनहातू थाना क्षेत्र के बरेंदा टोला देवानसाराण के समीप पत्नी को तेज रफ्तार और अनियंत्रित हाइवा ने बाइक सवार पति-पत्नी को कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान पश्चिम बंगाल के झालदा थाना क्षेत्र के कुशी पापड़ाहुल गांव निवासी रमेश महतो और उनकी 42 वर्षीय पत्नी सिंधु वाला देवी के रूप में हुई है। जबकि की मौके पर ही मौत हो गई, महिला गंभीर रूप से घायल रमेश महतो ने अस्पताल ले जाने के दौरान दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, सिंधु वाला देवी बरेंदा कुल्याणटांड स्थित अपनी दीदी के घर आयोजित हत्तीन नहानहू कार्यक्रम में शामिल होने आई थीं। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह अपने पति के साथे मोटरसाइकिल से वापस गांव लौट रही थीं। इसी दौरान देवानसाराण के पास छोटे से अ रहे हाइवा (जेपेच10 डीबी 5777) ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर गए और हाइवा की चपेट में आ गए। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजन और स्थानीय ग्रामीण मौके पर जुट गए। अक्रोशित लोगों ने दोनों शवों को सड़क पर रखकर सिल्ली-रंगमाटी मुख्य मार्ग जाम कर दिया। इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह बाधित रहा। ग्रामीण पौडित परिवार को उचित मुआवजा देने और दुर्घटना के आरोपित हाइवा चालक को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे। सूचना मिलने पर सनहातू थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझकर स्थिति शांत कराई। करीब छह घंटे बाद सड़क जाम हटाया जा सका। थाना प्रभारी ने बताया कि सड़क जाम हटा लिया गया है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शिक्षण संस्थान इमारत से नहीं, शिक्षक और छात्रों से बनते हैं : अजय खन्ना। रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में रविवार को पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रेन एप्लोसिएशन (पासवा) की ओर शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शिक्षक तकनीक, कुत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और रोजगार जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान करीब द्वादश हजार शिक्षकों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षक शिक्षण संस्थानों के पड़ते नहीं हैं, बल्कि उनके भविष्य और देश के अच्छे नागरिक के रूप में निर्माण करते हैं। कोई भी शिक्षण संस्थान केवल ईंट-पथर की इमारत से नहीं, बल्कि वहाँ के शिक्षक और छात्रों से बनता है। उन्होंने कहा कि गुरु-शिष्य की परंपरा सदियों पुरानी है। शिक्षकों का समाज को दिशा देने में हमेशा महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। गांवों में अभी कई चुनौतियाँ हैं, लेकिन मुख्यमंत्री स्कूल ऑफ एक्सलेंस के जरिए बेहतर शिक्षा पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने एआई के इस्तेमाल पर जोर देते हुए कहा कि यह एक उपयोगी साधन है, लेकिन शिक्षक की जगह नहीं ले सकता। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी की समस्याओं को समाझना जरूरी है।

आंदोलन मकान-दुकान टूटने की आशंका से एचईसी विस्थापितों में आक्रोश, बोले—विकास के नाम पर घर और रोजगार नहीं छिनने देंगे

10 लेन सड़क के खिलाफ विस्थापितों का मोर्चा, आंदोलन की चेतावनी

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। दस लेन सड़क निर्माण को लेकर एचसी विस्थापितों का विरोध अब आंदोलन की राह में कड़ता दिख रहा है। झारखंड विस्थापित जन कल्याण समिति के तत्वावधान में प्रमुख लोगों और समिति सदस्यों की संगठनात्मक बैठक में सड़क निर्माण के नाम पर विस्थापितों के मकान और दुकानों पर संचालित कार्रवाई को लेकर गहरी चिंता जागृत गयी। समिति ने साफ चेतावनी दी कि यदि विस्थापितों को बेघर और बेरोजगार करने की कोशिश हुई, तो इसका पूरा जोर विरोध किया जाएगा। बैठक में सदस्यों ने कहा कि विस्थापित विकास के विरोधी नहीं हैं। उनका विरोध ऐसी विकास योजनाओं से है, जिसकी कीमत आम लोगों को अपना घर और

रांची। राजधानी रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र में 80.60 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला सामने आया है। डॉ. दिवेश कुमार भगत के लिखित आवेदन पर पुलिस ने निखिल कुमार, उसकी पत्नी बबोता गुप्ता सहित छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 316(2), 318(4) और 61(2) के तहत कार्रवाई की गई है। प्राथमिकी के अनुसार, डॉ. दिवेश कुमार भगत ने आरोप लगाया है कि उनके रिश्तेदार निखिल कुमार और उसकी पत्नी बबोता गुप्ता ने व्यवसाय बढ़ाने के नाम पर उनसे और उनकी पत्नी शालिनी भगत से आर्थिक सहयोग मांगा था। पारिवारिक संबंधों पर भरोसा करते हुए उन्होंने बबोता गुप्ता के फर्म और संबंधित लोगों को कुल 41 लाख 60 हजार रुपये दिए। शिकायतकर्ता के मुताबिक, इसमें 30 लाख रुपये आर्टीजीएस के माध्यम से अलग-अलग बैंक खातों से आयुष इंटरनैशनल के खाते में भेजे गए, जबकि 11 लाख 60 हजार रुपये अलग-अलग तरीखों में नकद दिए गए। आरोप है कि रकम वापस मांगने पर आरोपित पक्ष लगातार टालमटोल करता रहा। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि रुपये लौटाने पर

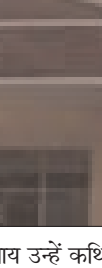
बाबूलाल ने लगाया जेएसएससी नियुक्ति घोटाले की सीआईडी जांच में लीपापोती का आरोप, सीबीआई जांच की मांग

पूजा। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) निवृत्ति घोटाले की अपराध जांच विभाग (सीआईडी) जांच में लीपपोती किए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जांच की दिशा और सामने आ रही शिकायतें इस आशंका को मजबूत करती हैं कि छोटे आरोपितों पर कार्रवाई कर प्रभावशाली लोगों और कथित सरगनाओं को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। मरांडी ने मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की है।

मराठा नें रोवतार बसल शासल माड्या
मन एक्स पर जाय बयान में कहा कि
उन्हें ऐसी शिकायतें मिल रही हैं, जैसी
आशंका पहले से थी। उनके मुताबिक,
मामले में पकड़े गए या पुछताछ किए
जा रहे लोगों की ओर से यदि किसी
हॉस्पिटलवाला नेता, अधिकारी या उनके
कथित विचौलियों के माध्यम से
सुरक्षित के लेन-देन और सिलपता की
जानकारी दी जाती है, तो बयान से उन
हिस्सों को हटाए जाने की शिकायत
सामने आ रही है। बाबूलाल मराठी ने
देवा किशोर कि जांच में शामिल कुछ
छोटे अधिकारियों ने नाम सफरजिन
नहीं करने की शर्त पर यह शिकायत

चेंबर चुनाव में टीम तुलसी पटेल ने मारी बाजी, 13-8 से जीत

मौली। झारखंड चेंबर की 21 सदस्यीय कार्यकारणी की रजिस्टार को हारु चुनाव में टीम तुलसी पटेल ने 13-8 से जीत दर्ज की। टीम तुलसी पटेल के 13 प्रत्याशी विजयी रहे, जबकि टीम मुकुंश अग्रवाल के आठ प्रत्याशियों ने जीत हासिल की। टीम पटेल टीम पी-21 का खाता नहीं खुल सका। इस तरह 21 सदस्यीय कार्यकारणी में तुलसी पटेल की टीम को स्पष्ट बहुमत मिला है। अस्थायी ढंग के लिए तुलसी पटेल के नाम की कार्यकारणी घोषणा चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद की जाएगी। चुनाव परिणाम की घोषणा चुनाव पदाधिकारी अंतर्गत किंग 4214 मतदान स्थानों में से 2860 ने मतदान किया। चुनाव मैदान में कुल 65 प्रत्याशी थीं। 09 महिला प्रत्याशियों में भी चुनाव लड़ा, जिनमें छह ने जीत दर्ज की। वही, मनीष जैन ने पहली बार चुनाव लड़ते हुए जीत हासिल की।



बजाय उन्हें कथित तौर पर धमकी दी गई और पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों का भय दिखाकर मुकदमे में फंसाने की बात कही गई।

शिकायत में हजारिबाग स्थित न्यू होम्स के टोपीदी केशव टावर से जुड़ा एक अन्य मामला भी दर्ज कराया गया है। प्रार्थमिकी के अनुसार, निखिल कुमार, जिसे एएम न्यू होम का संचालक बताया गया है, ने फ्लैट-भवन निर्माण के नाम पर शिकायतकर्ता

नियुक्ति घोटाले की सीआईडी रीबीआई जांच की मांग

बेचैनी क्यों है। मरांडी ने कहा कि जांच का उद्देश्य सच्चाई सामने लाना नहीं होना चाहिए, न कि किसी खास व्यक्ति को बचाना। उन्होंने निगुक्ति घोटाले में तत्कालीन पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता की भूमिका को लेकर उठे खालों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि उनके खिलाफ जांच को गलत दिशा में ले जाने, साक्ष्य नष्ट करने और निगुक्ति में जांच को से इनकार करने जैसे गंभीर आरोप सामने आए थे। उन्होंने कहा कि छात्रों और बेरोजगारों के बड़े आंदोलन के बाद सीआईडी के रुख में बदलाव आया। जिस मामले में मुख्यआती दौर में घोटाले से इनकार किया जा रहा था, उसमें बाद की कार्यवाही उस शुरुआती रुख की जवाबदेही का सवाल भी खड़ा करती है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि अब मनोज कौशिक को अनुवाई में गिरावट रही सीआईडी जांच को लेकर भी ऐसी शिखरयतें सामने आ रही हैं कि जो एक मछलियों को कार्रवाई के दायरे में लाकर बड़ी मछलियों और कथित असली सरगनाओं को जांच की आंच से बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केवल छोटें स्टार के आरोपियों की गिरफ्तारी से बड़े नामों को लेकर उठ रही आशंकाएं दूर नहीं होंगी। मरांडी ने जांच में शामिल अधिकारियों से कहा कि यदि बचावों से मान हटने, डिजिटल साक्ष्य मिटने या दबाव डालकर मनमाने तरीके से बचाव दर्ज कराने की कोशिश हो रही है तो उसे तत्काल रोकना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से अपनी जिम्मेवारी और निष्पक्षता बनाए रखने की अपील की। बाबूलाल ने कहा कि किसी प्रभावशाली व्यक्ति को बचाने के लिए रिपोर्टों से हटवना ग्या तथ्य भ्रमिचय में संबंघित अधिकारियों की अपनी भूमिका पर सवाल बन सकता है। सीबीआई जांच होने पर मूल निगुक्ति घोटाले के साथ ही जांच को प्रभावित करने और साक्ष्य दबाने की शिकायतों की भी पड़ताल होनी चाहिए। मरांडी ने अधिकारियों के सेवाकाल से जुड़े प्रमाणों की भी निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि किसी अधिकारी के पद से हट जाने के बाद उसके पूर्व कार्यो की जवाबदेही समाप्त नहीं हो जाती। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह मामला आने वाली पीढ़ी के अधिकारियों के लिए भी सबक है। सत्ता की कृपा पापाने के लिए अधिकारियों को अपनी सेवा, साक्ष्य और अंतरात्मा को दांव पर नहीं लगाना चाहिए।

से 39 लाख रुपये लिए थे। आरोप है कि इसके बदले ग्राउंड प्लान पर 2600 वर्गफीट व्यावसायिक जगह, दूसरे तल पर 1540 वर्गफीट आवासीय जगह और पार्किंग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया था। प्राथमिकी में पार्किंग संख्या 01, 05, 06 और 07 का उल्लेख है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि प्रोजेक्ट में अड़चन का हवाला देकर लंबे समय तक उन्हें टालते रहे और वादा पुरा नहीं किया गया। मामले में जालसाजी का आरोप भी लगाया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्हें 21 जनवरी 2014 की तारीख वाला एक कथित फर्जी अलॉटमेंट लेटर दिया गया था। इसके बाद निखिल कुमार ने अन्य आरोपितों के साथ मिमिकर पावर ऑफ अर्लीन और दूसरे दस्तावेजों के माध्यम से संपत्ति से संबंधित लेनदेन किए। प्राथमिकी में गोपाल प्रसाद गुप्ता, पदम लाल गुप्ता, रेनु गुप्ता और संजीत कुमार सिंह को भी सह-आरोपित बनाया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संपत्ति से संबंधित दस्तावेजों और आवंटन की प्रक्रिया में भी अनियमितता की गई। शिकायतकर्ता ने 11 अप्रैल 2023 को किए गए एक एप्रीमेंट का भी उल्लेख किया है। आरोप है कि पूर्व में हुए समझौते और इकरारनामा के बावजूद बाद में संपत्ति को लेकर अलग व्यवस्था की गई तथा उन्हें फ्लैट और अन्य संपत्ति देने का आश्वासन दिया गया। प्राथमिकी में दस्तावेजों और संपत्ति के आवंटन को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। मामला दर्ज होने के बाद कोचवाली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सब-इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार राय को मामले का अनुसंधान अधिकारी बनाया गया है।

की सीआईडी
री सांगा

होगी। मरांडी ने जांच में शामिल अधिकारियों से कहा कि यदि बचावों से नाम हटाने, डिजिटल साक्ष्य मिटाने या दबाव डालकर ममाने तरीके से बचाव दर्ज कराने की कोशिश हो रही है तो उसे तत्काल रोकना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से अपनी जिम्मेदारी और निष्पक्षता बनाए रखने की अपील की।

बाबूलाल ने कहा कि किसी प्रभावशाली व्यक्ति को बचावों के लिए रिकॉर्ड से हटाय़ा गया तथ्य थोथिया में संबंधित अधिकारियों की अपनी भूमिका पर सवाल बन सकता है।

श्रीमतीआई जांच होने पर मूल नियुक्ति घोटाले के साथ ही जांच को प्रभावित करने और साक्ष्य दबाने की शिकायतों की भी पड़ताल जारी चाहिए। मरांडी ने अधिकारियों के सेवकाल से जुड़े पुराने मामलों और सामने आने वाले प्रमाणों की भी निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि किसी अधिकारी के पद से हट जाने के बाद उससे पूर्व कार्यों की जवाबदेही समाप्त नहीं हो जाती। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह मामला आने वाली पीढ़ी के अधिकारियों के लिए भी सबक है। सत्ता की कृपा पाने के लिए अधिकारियों को अपनी सेवा, साख और अंततः समा को दांव पर नहीं लगाना चाहिए।

पञ्जी। 13 सितंबर 2026 को सामाजिक कार्यकर्ता सुमित दुबे, तुपुनगढ़ एवं बजरंग देव बिरसा नगर के संयोजक अभय कुमार के नेतृत्व में लगभग 100 राम भक्तों की निःशुल्क हनुमान अथवा फिफ्ट दिखाई गई। राम भक्तों के लिए सुजाता पिक्चर पैलस में विशेष रूप से हॉल बुक किया गया था। यहां सभी लोगों ने एक साथ फिफ्ट का आनंद लिया। आयोजन का उद्देश्य युवाओं एवं राम भक्तों को नीम करौली बाबा के जीवन, उनकी भक्ति, साहस तथा समातन संस्कृति से जोड़ना रहा। कार्यक्रम के दौरान सभी राम भक्तों ने हॉल में एक साथ सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला। सुमित दुबे और अभय कुमार ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं और समाज में भगवान श्रीराम एवं हनुमान जी के आदर्शों और संस्कारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी इस तरह के सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

**वाइबीसी श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति
का भूमि पूजन एवं खुंटी पूजन संपन्न**

राजी। वाढबीसां थ्रशी सार्वजनिक दुर्गा पुजा समिति की आर स आगामा दुर्गा पुजा के लिए पंडाल निर्माण को लेकर विधिवत भूमि पुजन सह खुंटी पुजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान के साथ पूजा भूमि निर्माण कार्य का शुरुआत हुई। इस अवसर पर समिति के संरक्षक सुनील कांत सहाय, अध्यक्ष लाल चिंतामणि शाहदेव, सचिव अनेकमति सागर (रितिक) एवं कोषाध्यक्ष अमर आर्या सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे। भूमि पुजन एवं खुंटी पुजन कार्यक्रम में प्रमोद चौबे, अनुश शेखर, सुजीत वर्मा, साधन चौधरी, दिवाकर सिंह, विक्की, सुमित सोनी, बलजिंदर सिंह, सागर मिश्रा, हिमांशु शुकला, प्रियांशु सागर, आदित्य कांत चौरीसाया, सानू, तुषार, सावन, युवराज मोनू दास, सोनू, प्रियांशु समेत वाढबीसां के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। समिति के सदस्यों ने बताया कि आगामी दुर्गा पुजा को भव्य एवं आकर्षक बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं। पूजा आयोजन को लेकर समिति के सदस्यों में खासा उत्साह है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पूजा पंडाल और आयोजन को आकर्षक बनाने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं।

श्री स्वर्णकार दुर्गा पूजा समाित का भूमि पूजन सपन्न
सैकड़ों पदाधिकारियों व समाज के लोगों की
मौजूदगी में शुरु हुआ भव्य पूजा पंडाल का निर्माण



रांची। श्री स्वर्णकार दुर्गा पूजा समिति, इक्कीशो महादेव धाम, चुटिया की

अन्नी। श्री स्वर्णका दुर्गा पूजा समिति, इक्कीशो महादेव धाम, चुटिया से
अनर से दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर भी पूजन कार्यक्रम धूमधाम से
संपन्न हुआ। मंदिर के पुरोहित श्री क्रांतीनाथ पांडेय ने विधिवत पूजा-अर्चना
कर भी पूजन कराया। वज्रमन के रूप में समिति के संरक्षक पुरेश प्रसाद
साहू अपनी धर्मपत्नी के साथ शामिल हुए। कार्यक्रम में स्थानीय पाषंद स्वामी
समिति के अध्यक्ष सतोष कुमार सोनी, प्रधान महासचिव पंकज प्रसाद,
कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार बर्मन सहित समिति के अनेक पदाधिकारी एवं समाज
के लोग उपस्थित रहे। समिति के संरक्षक रविंद्र लाल, सतोष कुमार सिन्हा,
पवन रंजन खत्री, सतीश कुमार वर्मा, सुनील प्रसाद, शिवदास वर्मा एवं स्वामी
दिव्यानंद महाजन ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। इसके अलावा वरीय
उपाध्यक्ष सतीश कुमार सोनी, डॉ. प्रेम कुमार सोनी, उपाध्यक्ष सतोष सोनी,
रंजनजी सोनी, दिलीप कुमार सास, त्रिभुवन प्रसाद, महासचिव अश्विन
कुमार (अधिवक्ता), सह कोषाध्यक्ष ज्वाला प्रसाद सोनी, सचिव पवन कुमार
बर्मन एवं सागर वर्मा समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। अध्यक्ष
सतोष कुमार सोनी ने बताया कि भीम पूजन के साथ ही भव्य एवं आकर्षक
पूजा पंडाल के निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। पंडाल का निर्माण
कोलकाता के कारीगरों द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूजा स्थल
पर समिति का कैप कार्यालय भी खोला गया है, जहां समाज के लोग समिति
से संबंधित कर सके हैं तथा आयोजन को लेकर सुझाव और सहयोग दे सकें
हैं। इच्छुक लोग स्वयं से बर्मन से भी जुड़ सकते हैं। उन्होंने बताया कि
पंडाल में आकर्षक विद्युत सज्जा बंगाल के कारीगरों द्वारा की जाएगी।
सप्तमी, अष्टमी, नवमी और विजयादशमी के अवसर पर चार दिनों श्रद्धालुओं
के बीच महाभाग का वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही पूजा के सभी
दिनों में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समिति की ओर से
बताया गया कि पूजा परिसर में मेले के आयोजन की भी संभावना है। वित्त
उपत्यक व्यवस्था बनी तो श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के लिए आवश्यक
मेला भी लगाया जाएगा। समिति ने दुर्गा पूजा को भव्य और व्यवस्थित बनाने
के लिए समाज के लोगों से सहयोग की अपील की है।

झारखंड में 17 सितंबर तक गरज-चमक के साथ बारिश के आसार, येलो अलर्ट

राजीव गांधी आश्रम में 17 सितंबर तक गरज के साथ बारिश और आकाशवाणी बिजली गिरे की संभावना है। मौसम विभाग ने इसे लेकर रविवार को येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त के दस दिन सितंबर में भी राज्य के विभिन्न हिस्सों में अच्छी बारिश हो रही है। इससे राज्य में बारिश की कमी में काफी सुधार हुआ है। एक जून से 13 सितंबर तक झारखंड में 869.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य से महज चार प्रतिशत कम है। मौसम विभाग के अनुसार यह स्थिति सामान्य मानी जाती है। पिछले 24 घंटों के दौरान जानाघड़ा जिले के नारायणपुर में सबसे अधिक 31.6 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। इस दौरान पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा में राज्य का सर्वाधिक तापमान 35.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि लातेहार में न्यूनतम तापमान 20.4 डिग्री सेल्सियस रहा। रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह मौसम साफ रहा और धूप खिली रही। दोपहर बाद आसमान में बादल छाए रहे। दिनभर गर्मी और उमस से लोग परेशान रहे। रांची में अधिकतम तापमान 29.6 डिग्री और न्यूनतम 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के प्रमुख शहरों में जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 30.4 और न्यूनतम 25.2 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 33.2 और न्यूनतम 24.5 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 32.1 और न्यूनतम 25.2 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 32.4 और न्यूनतम 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

A group of approximately 12 men are seated in a row on plastic chairs outdoors. They are positioned in front of a building with blue and yellow walls. The men are dressed in casual attire, including t-shirts and trousers. The setting appears to be a community or meeting area.

राजभाषा गंवाकर चुकानी पड़े। नमिति का कहना है कि सड़क निर्माण की जरूरत को देखते हुए वैकल्पिक रास्ते पर भी विचार किया जा सकता है। इस लेन के बजाय छह लेन सड़क का निर्माण कर	योजना को पूरा किया जा सकता है, जिससे विकास का रास्ता भी खुला रहेगा और बड़ी संख्या में परिवारों के घर-दुकान उजड़ने से भी बच सकते हैं। नमिति ने झारखंड सरकार और	एचसी प्रबंधन से विस्थापितों की स्थिति पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की मांग की। सदस्यों ने कहा कि वर्षों से विस्थापन का दश झेल रहे लोगों के सामने यदि फिर उजड़ने की स्थिति पैदा की गयी, तो
--	---	--

है वह उनके साथ न्याय नहीं होगा।

विकास चाहिए, लेकिन उजाड़कर नहीं

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि विकास का मतलब केवल चौड़ी सड़क और बड़ी परियोजना नहीं हो सकता। विकास की योजनाओं में उन लोगों के हितों को भी शामिल किया जाना चाहिए, जिसकी जमीन और जीवन पर उनका सीधा असर पड़ता है। विस्थापितों ने सवाल उठाया कि सड़क चौड़ी करने के नाम पर यदि लोगों को ऐसीविकास योजना का लाभ आखिर कैसे मिलेगा? समिति ने कहा कि मकान और दुकान केवल ईंट-पत्थर की संरचनाएँ नहीं हैं, बल्कि लोगों की वचनों की मेहनत, परिवार की सुरक्षा और रोजी-रोटी का आधार हैं। इसलिए किसी भी कार्रवाई से पहले प्रभावित परिवारों के हित, पुनर्वास और रोजगार की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। बैठक के बाद समिति के सदस्यों ने स्पष्ट लेन सड़क के विरोध और विस्थापित एक के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। सदस्यों ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार और एचईसी प्रबंधन ने उनकी मांगों की अनदेखी की, तो समिति व्यापक आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगी। बैठक में समिति अध्यक्ष कुणाल शाहदेव, सचिव कृष्णा मिर्वा, राकेश बैठा, सुनिल उरांव, जैना उरांव, मुकुंद सिंह, दिलीप बैठा, महावीर लोहार, महेंद्र मिर्वा, सरजू महतो, विष्णु लोहरा, विनोद लोहार, सुशान्त शाहदेव, सोनू रावड़ा, मंसूर अंसारी सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

इसलिए किसी भी कार्रवाई से पहले प्रभावित परिवारों के हित, पुनर्वास और रोजगार की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। बैठक के बाद समिति के सदस्यों ने दस लेन सड़क के विरोध और विस्थापित एकता के समर्थन में जमकत नारेबाजी की। सदस्यों ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार और एचडीसी प्रबंधन ने उनकी मांगों की अनदेखी की, तो समिति व्यापक आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगी। बैठक में समिति अध्यक्ष कुणाल शाहदेव, सचिव कृष्णा मिर्धा, राकेश बैठा, सुनील उरांव, जैना उरांव, मुकुंद सिंह, दिलीप बैठा, महावीर लोहार, महेंद्र मिर्धा, सरजू महतो, विष्णु लोहार, विनोद लोहार, सुशांत शाहदेव, सोनू बैठा, मंजूषा अंसारी सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

जलमीनार बनी शोपीस, कुआ-तालाब के पानी पर निर्भर ग्रामीण

बुँडू। ताऊ पंचायत के मुंडा टोली, कोईरी टोली और बजरंगबली हरिजन कॉलोनी में करीब डेढ़ वर्ष पूर्व बने तीन जलमीनार अब तक ग्रामीणों के लिए बेकार साबित हुए हैं। निर्माण के बाद एक दिन भी पेयजल आपूर्ति नहीं हुई। ग्रामीणों का आरोप है कि जलमीनार में पानी पहुंचाने के लिए मशीन तक नहीं लगायी गयी। धीरेंद्र महतो और लखीचरण मुंडा ने आरोप लगाया कि विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से काम पूरा दिखाकर खानापूर्ति की गयी। शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने डीसी से जांच कर दोषियों पर कार्रवाई और पेयजल आपूर्ति शुरू कराने की मांग की है।

शिवालय दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बने प्रदीप सिन्हा

खुटी। सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, शिवालय करी की बैठक रविवार को रामचंद्र पांडेय की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पिछले वर्ष के पूजा आयोजन का लेखा-खोखा प्रस्तुत किया गया। साथ ही इस वर्ष दुर्गा पूजा धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। पूजा को 10 दिनों तक विधि-विधान के साथ सुचारू एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए समिति का गठन किया गया। इसमें प्रदीप सिन्हा को अध्यक्ष, जेके सिंह को उपाध्यक्ष, गोकुल बड़ाइक को सचिव, महादेव को सहसचिव, अभिनाश कुमार को कोषाध्यक्ष तथा सोनू कुमार को सह कोषाध्यक्ष बनाया गया। रामचंद्र पांडेय को पूजा प्रभारी और राजेश सिंह को चंदा प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई। विनोद प्रसाद सोनी एवं सुदामा प्रसाद को मुख्य संरक्षक बनाया गया। वहीं दिलीप सिन्हा, करनो बड़ाईक, केदार प्रसाद, लखीनारायण साव, चंद्रशेखर काशी एवं धीरेन साव को संरक्षक बनाया गया। समिति के सदस्यों के रूप में विष्णु प्रसाद सोनी, छोटू गुप्ता, संतोष साव, हर्षित केशरी, लल्ला गुप्ता, राज सिंहा, प्रशांत कुमार, मोहित कुमार, साकेत कुमार, सूरज चौधरी, चंदन कुमार एवं शक्ति कुमार का चयन किया गया।

परिवार के आठ सदस्यों के साथ किशोर तिकी लौटे सरना धर्म में

खुटी। रनिया प्रखंड क्षेत्र के गढ़सदम गांव निवासी लोहरा समाज के किशोर तिकी ने रविवार को परिवार के आठ सदस्यों के साथ ईसाई धर्म छोड़कर अपने पुराने सरना धर्म में वापसी की। गांव के पाहन सुखदेव पाहन ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर उन्हें सरना धर्म में वापसी का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर पाहन ने गांव के देवी-देवताओं की स्तुति करते हुए पारंपरिक रीति-रिवाज से पूजा कराई। पूजा के बाद सभी को सरना अंगवस्त्र भेंट किया गया। किशोर तिकी ने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व वे परिवार सहित कुछ लोगों के बहकावे और झूसे में आकर ईसाई धर्म में चले गए थे। इसके बाद से वह अंदर से बेचैन महसूस कर रहे थे। उन्होंने अपने समाज के लोगों से संपर्क कर दोहरा पुराने सरना धर्म में लौटने की इच्छा जताई। समाज के लोगों की सहमति के बाद रविवार को उन्होंने परिवार के आठ सदस्यों के साथ सरना धर्म में वापसी की।

रातू हाई स्कूल मैदान में धूमधाम से मना करम पूर्व संध्या महोत्सव, डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा

पर्व और त्योहार ही हमारी संस्कृति की पहचान

50 गांव के खोड़हा दल हुए शामिल

नवप्रदेश संवाददाता रातू। करमा महापर्व की पूर्व संध्या पर रविवार को रातू के सीएन राज हाई स्कूल मैदान में भव्य करम पूर्व संध्या महोत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन यंग आदिवासी छात्र संघ, पड़हा समिति, पाहन संघ एवं पंचायत जनप्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि रातू किला की राजकुमारी माधुरी मंजरी देवी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर मंच पर विशिष्ट अतिथियों की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही। **मंच पर कई दिग्गज रहे मौजूद** – महोत्सव में बतौर विशिष्ट अतिथि लोहरदगा विधायक सह पूर्व वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव, पूर्व राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश,

विधायक के बेटे की पिटाई के पांच आरोपित कोलकाता से गिरफ्तार

घटना के दो घंटे के भीतर सौरभ को पुलिस ने सकुशल कराया था बरामद

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। रांची स्थित एमटी यूनिवर्सिटी के बाहर से चतरा विधायक जनार्दन पासवान के बेटे सौरभ कुमार के अपहरण और मारपीट के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मामले में शामिल पांच आरोपितों को कोलकाता से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रौनक सिंह राजनूत, प्रकाश गुप्ता, आनुष कुमार, प्रीतम और ज्ञानदीप के रूप में हुई है। घटना सात सितंबर की है। पुलिस



के अनुसार, विधायक के बेटे सौरभ कुमार यूनिवर्सिटी गेट के

स्टार पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मना शिक्षक दिवस



चान्हो। स्टार पब्लिक स्कूल, चोरया मोड़, चान्हो में शनिवार को शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने गीत, नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय कुमार गोप ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पथर और कारीगर का प्रेरणादायक उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कारीगर पथर को बार-बार तराशकर सुंदर मूर्ति का रूप देता है, उसी प्रकार शिक्षक शिक्षा, अनुशासन और मार्गदर्शन से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखारते

बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की अपील करम पूजा के बाद फुटबॉल टूर्नामेंट कराने का निर्णय

नवप्रदेश संवाददाता

बेड़ो। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री बंधु तिकी रविवार को नरकोपी पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की और ग्रामीणों का हाल जाना। बैठक में बंधु तिकी ने ग्रामीणों से विशेष रूप से बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि नरकोपी में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी काफी काम किए जाने की जरूरत है। इसके लिए ग्रामीणों को सामूहिक रूप से प्रयास करना होगा। शिक्षा और स्वास्थ्य की

कस्तूरबा विद्यालय में छज्जा टूटने से तीन छात्राएं घायल

बेड़ो। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, बेड़ो के छात्रावास में रविवार को छज्जा टूटने से तीन छात्राएं घायल हो गईं। हादसा उस समय हुआ, जब छात्रावास की खिड़की के बाहर बने छज्जे पर चार छात्राएं खड़ी थीं। अचानक छज्जा टूटकर नीचे गिर गया। हादसे में तीन छात्राओं को चोट लगी। इनमें एक छात्रा के हाथ में गंभीर चोट आने तथा हाथ टूटने की बात बतायी जा रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पूर्व मंत्री सह कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिकी कस्तूरबा विद्यालय पहुंचे और घटना का जायजा लिया। उन्होंने घायल छात्राओं एवं विद्यालय प्रबंधन से घटना की जानकारी ली। विद्यालय के निरीक्षण के दौरान भवन की जर्जर स्थिति को देखकर उन्होंने नाराजगी जतायी। उन्होंने वार्डन एवं विद्यालय प्रबंधन को छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। बंधु तिकी ने कहा कि घटना गंभीर है, लेकिन सोभाय्य से बड़ी अनहोनी टल गयी। उन्होंने कहा कि विद्यालय भवन की स्थिति जर्जर है और इस पर शिक्षा विभाग को गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। वार्डन एवं प्राचार्य को भी विद्यालय की स्थिति पर लगातार नजर



रखनी चाहिए। भवन या परिसर में कहीं भी खतरा दिखाई दे तो इसकी जानकारी तत्काल विभाग को लिखित रूप से देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय के जर्जर भवन और निर्माणाधीन भवन को रोकने के लिए विद्यालय प्रबंधन और संबंधित विभाग को तत्काल आवश्यक कदम उठाने चाहिए। मौके पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव, हाजी परबज आलम, सोमरा लोहरा, तौकीर आलम सहित विद्यालय के शिक्षक, वार्डन एवं छात्राएं मौजूद थीं।

निर्माणाधीन भवन की गुणवत्ता पर भी सवाल

बंधु तिकी ने विद्यालय परिसर में निर्माणाधीन भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए कहा कि कई स्थानों पर निर्माण कार्य टट्टा-मेढ़ा दिखाई दे रहा है और इसकी गुणवत्ता भी संतोषजनक नहीं लग रही है। उन्होंने निर्माण कार्य की

गुणवत्ता समेत अन्य मामलों की जांच करने की बात कही। उन्होंने वार्डन प्रभारी से विद्यालय की सुरक्षा और व्यवस्था पर गंभीरता से ध्यान देने को कहा, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो। मौके पर हाजी परबज आलम ने कहा कि विद्यालय में हुई घटना काफी गंभीर है। छात्राओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने विद्यालय के जर्जर भवन और निर्माणाधीन भवन की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए विद्यालय प्रबंधन और संबंधित विभाग को तत्काल आवश्यक कदम उठाने चाहिए। मौके पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव, हाजी परबज आलम, सोमरा लोहरा, तौकीर आलम सहित विद्यालय के शिक्षक, वार्डन एवं छात्राएं मौजूद थीं।

त्योहार है। हम सभी को इसकी गरिमा को बनाए रखना है और अपनी आने वाली पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ना है। वहीं पूर्व सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि करमा पर्व हमारे पूर्वजों द्वारा बनाई गई सभ्यता और संस्कृति को आज भी जिंदा रखने की सीख देता है।

पास अपने दोस्तों अमरदीप दुबे, अनमोल और रविशंकर के साथ खड़े थे। इसी दौरान अमरदीप की किसी बात को लेकर जूनियर छात्र लक्की राज से विवाद हो गया। आरोप है कि इसके बाद लक्की राज ने फोन कर कुछ बाहरी युवकों को मौके पर बुला लिया। कुछ देर बाद दो काले रंग की स्कॉर्पियो से करीब 10-12 युवक वहां पहुंचे और मारपीट शुरू कर दी। सौरभ की शिकायत के अनुसार, आरोपितों ने उनके दोस्त अनमोल को धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया और सौरभ को जबरन स्कॉर्पियो में बैठाकर वहां से ले गए। सौरभ ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया कि चलती गाड़ी में उनके साथ मारपीट की गई और उनका गला दबाने की

कोशिश की गई। आरोपितों ने उनका मोबाइल फोन और करीब 20 ग्राम वजन की सोने की चेन भी छीन ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी। यूनिवर्सिटी परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की तलाश शुरू की गई। पुलिस ने घटना के करीब दो घंटे के भीतर सौरभ कुमार को सकुशल बरामद कर लिया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की। जांच के क्रम में पांच आरोपितों को कोलकाता से गिरफ्तार किया गया। पुलिस उनसे पूछताछ कर घटना में शामिल अन्य लोगों और पूरे घटनाक्रम के संबंध में जानकारी जुटा रही है।



व्यवस्था बेहतर होने पर ही क्षेत्र का सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए वे अपने स्तर से हरसंभव प्रयास करेंगे। साथ ही क्षेत्र की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों एवं विभागों तक पहुंचाकर उनके समाधान का प्रयास किया जाएगा। बैठक में ग्रामीणों की सहमति से करम पूजा के बाद भव्य फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित करने का निर्णय

लिया गया। बंधु तिकी ने कहा कि खेल युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। फुटबॉल टूर्नामेंट के आयोजन से युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ने के साथ-साथ आपसी भाईचारा और सामाजिक एकता भी मजबूत होगी। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद थे। इनमें नरकोपी थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार टंडु तथा समाजसेवी शमशुद्दीन अंसारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पाड़हा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए बारीडीह में विशेष बैठक

बेड़ो/बारीडीह। ऐतिहासिक पाड़हा जतरा मैदान, बारीडीह में रविवार 13 सितंबर 2026 को 8 पाड़हा, 12 पाड़हा एवं 21 पाड़हा के संयुक्त तत्वावधान में विशेष पाड़हा बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता 12 पाड़हा राजा विशाल उरांव ने की। इसमें तीनों पाड़हा के पाड़हा प्रेमी एवं सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक में पाड़हा व्यवस्था को व्यवस्थित एवं सुदृढ़ तरीके से संचालित करने को लेकर सदस्यों ने अपने विचार रखे। पाड़हा व्यवस्था की परंपरा, उद्देश्य और कार्यप्रणाली की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए गांव-गांव जाकर पारंपरिक ग्रामसभा गठित करने का निर्णय लिया गया। पाड़हा व्यवस्था की गतिविधियों को गति देने और विभिन्न गांवों में संपर्क बढ़ाने के लिए एक कमेटी गठित करने पर भी सहमति बनी। कमेटी के माध्यम से लिपिक विभाग, संगठन सशक्तीकरण एवं सपर्क विभाग, प्रचार-प्रसार विभाग तथा सरकारी समन्वय विभाग सहित विभिन्न जिम्मेदारियां तय की गयी। बैठक में सरकारी समन्वय विभाग के माध्यम से सरकार की विभिन्न

जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उसे पाड़हा समाज के लोगों तक पहुंचाने और पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में काम करने पर चर्चा हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी पाड़हा गांवों के ग्राम प्रधानों को पत्र के माध्यम से आगामी पाड़हा बैठक में शामिल होने की सूचना दी जाएगी। इसके बाद ऐतिहासिक पाड़हा जतरा मैदान, बारीडीह में निर्धारित तिथि को ग्राम प्रधानों की बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें पाड़हा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के लिए आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से 21 पाड़हा राजा महादेव कुजूर, 8 पाड़हा राजा चरवा उरांव, 12 पाड़हा राजा विशाल उरांव, मीडिया प्रभारी चरवा उरांव, दीवान बिरुवा खेस, धनंजय कुमार राय, जुगेश उरांव, सुका उरांव, जगरनाथ उरांव, एतवा उरांव, पीटर तिकी, सुका भगत, मंगु पुजार, मंगरू मुंडा, हातू उरांव, लगना उरांव, सनिका मुंडा एवं खुशी उराइन सहित बड़ी संख्या में पाड़हा प्रेमी उपस्थित थे।

मामूली विवाद में बाइक की चाबी से सिर पर वार, युवक घायल, तीन नामदर्ज

रा। थाना क्षेत्र के काटीटांड में शनिवार रात मामूली विवाद को लेकर जमकर मारपीट हो गई। घटना में आनंदरायी नगर निवासी कुंदन कुमार पिता अर्जुन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सिर में गंभीर चोट लगी है। घायल का इलाज रातू सीएचसी में कराया गया। जानकारी के अनुसार कुंदन कुमार शनिवार रात करीब नौ बजे किसी काम से अपनी बाइक से काटीटांड गया था। इसी दौरान किसी बात को लेकर रातू हुरहुरी निवासी नसीम अंसारी से उसकी कंहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मारपीट में बदल गया। कुंदन का आरोप है कि आरोपियों ने उसकी बुलेट की चाबी छीन ली और उसी चाबी से उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे वह लहलुहा हो गया। घटना के बाद आरोपी अपनी-अपनी बाइक लेकर फरार हो गए। पीड़ित के अनुसार वह आरोपियों का पीछ करते हुए हुरहुरी तक पहुंचा, जहां आरोपियों ने दोबारा उस पर जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। कुंदन ने यह भी आरोप लगाया है कि जब वह इलाज के लिए रातू सीएचसी पहुंचा तो नसीम अंसारी वहां भी उसका पीछ करते हुए पहुंच गया। इस मामले में घायल कुंदन कुमार ने रातू थाना में नसीम अंसारी, राहुल कुमार और सोहाद अंसारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

एक नजर

रांची जिला दुर्गा पूजा समिति का पुनर्गठन, राजेंद्र सिंह बने अध्यक्ष



रांची। आगामी दुर्गा पूजा को भव्य, सुव्यवस्थित और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से रांची जिला दुर्गा समिति का पुनर्गठन किया गया है। सर्वसम्मति से राजेंद्र सिंह को समिति का अध्यक्ष चुना गया, जबकि मुनचुन राय को मुख्य संरक्षक की जिम्मेदारी दी गई है। नवगठित कार्यकारिणी ने इस वर्ष पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि रांची में दुर्गा पूजा का आयोजन इस वर्ष भव्य स्तर पर किया जाएगा। पूजा पंडालों और आयोजन स्थलों पर श्रद्धालुओं की सुविधा, भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा तथा प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय पर विशेष जोर रहेगा। इसके लिए शहर के विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों से जुड़े प्रतिनिधियों को कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। नई कार्यकारिणी में राजेंद्र सिंह अध्यक्ष और मनीज गुप्ता कार्यकारी अध्यक्ष होंगे। रमेश गोप और राहुल शर्मा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मुनचुन राय, हीरालाल साहू, अशोक पुरोहित, अशोक चौधरी और विक्की यादव को मुख्य संरक्षक बनाया गया है। उदय प्रताप सिंह मुन्ना और मनोज पांडेय मुख्य सलाहकार होंगे। आलोक साहू, रमेश गुप्ता, राजेश ठाकुर, पंकज साहू, हेम सिंह, मनोज ठाकुर, उमेश कामदार, लल्लू सिंह, रवि रोहतगी और कृपाल अजमानी को संरक्षक की जिम्मेदारी दी गई है। विश्वजीत बॉस, शैलेश्वर दयाल सिंह और अजय गुप्ता सह संरक्षक तथा राहुल अग्रवाल संयोजक बनाए गए हैं, जबकि राजकुमार महतो को सदस्यता प्रभारी बनाया गया है। समिति में बड़ी संख्या में उपाध्यक्ष, मंत्री और अन्य पदाधिकारी भी मनोनीत किए गए हैं। कुंदन सिंह और अरविंद साह महामंत्री, शैलेंद्र यादव और आशुतोष सिंह संगठन मंत्री तथा पवन मुरारका कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। मटू लाला और आशुतोष वर्मा प्रवक्ता, जबकि साजन सिन्हा और विवेक सिंह मीडिया प्रभारी होंगे। नीरज यादव, रिषभ अग्रवाल और स्वतंत्र गुप्ता को सह मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। कार्यसमिति सदस्य के रूप में किशन गोयल, ज्योति शंकर साहू और सुजाता भैया को शामिल किया गया है। समिति में शामिल पदाधिकारियों ने एकजुट होकर दुर्गा पूजा के दौरान बेहतर व्यवस्था और श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताई।

दुर्गा पूजा को लेकर युवा दस्ता की नई कार्यकारिणी गठित, राजेश गुप्ता छोटू बने अध्यक्ष



रांची। युवा दस्ता रांची की बैठक रविवार को श्री दुर्गा मंदिर, बड़ा तालाब परिसर में अध्यक्ष राजेश गुप्ता छोटू की अध्यक्षता में हुई। बैठक में वर्ष 2026 की दुर्गापूजा को सफल बनाने की तैयारियों और आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। आयोजन की रूपरेखा तैयार करने की जिम्मेदारी मुख्य सलाहकार समिति को सौंपी गई। बैठक में किशोर साहू, गोपाल पारीक, उपेंद्र रजक, महेश चंद लंकेश सिंह, प्रकाश चंद्र, मनीष साहू, अभय सिंह और संदीप रजक को मुख्य सलाहकार समिति में शामिल किया गया। समिति की उपस्थिति में युवा दस्ता की वर्ष 2026 की नई कार्यकारिणी का चुनाव सर्वसम्मति से कराया गया। नई कार्यकारिणी में राजेश गुप्ता छोटू को अध्यक्ष, राहुल सिंहा चकी को संरक्षक और पीयूष आनंद को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। साहिल कुमार, टिकू महतो, करण नायक, राजू सिंह और राकेश सिंह को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। मटू दुबे और राकेश सिंह महामंत्री बनाए गए। सर्वेष्ठ पासवान, विकास राज और अरविंद जायसवाल को मंत्री, जबकि रवि पटवा, अमित केशरी और राजेश राम को सचिव नियुक्त किया गया। नवनीत पाण्डेय को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में युवा दस्ता के संस्थापक राजीव रंजन मिश्रा ने नवनि्युक्त पदाधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों से दुर्गापूजा आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वां किया। बैठक में संगठन के कई सदस्य मौजूद रहे।

80 मरीजों की हुई जांच, 25 में मोतियाबिंद के लक्षण; 30 लोगों को दिए गए चश्मे



बुँडू। एडि सुरक्षा केंद्र ट्रस्ट के तत्वावधान में सोनाहातू प्रखंड की हारिण पंचायत में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। पंचायत की मुखिया मनोज मुंडा के प्रयास से पंचायत भवन में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर नेत्र जांच करायी। शिविर में चिकित्सकीय टीम द्वारा कुल 80 मरीजों की आंखों की जांच की गयी। जांच के दौरान 25 मरीजों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए। इन मरीजों को आगे की चिकित्सा एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए बुँडू स्थित बिरसा आई हॉस्पिटल रेफर किया गया। वहीं, जरूरत के अनुसार 30 मरीजों को निशुल्क चश्मे उपलब्ध करए गए। शिविर के आयोजन से ग्रामीणों में काफी उत्साह देखा गया। लोगों ने निशुल्क जांच एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आयोजकों के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर हारिण पंचायत की मुखिया ने पंचायत को मोतियाबिंद मुक्त पंचायत बनाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि पंचायत के ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें उचित इलाज उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे, ताकि किसी भी व्यक्ति को आंखों की बीमारी के कारण परेशानी न उठानी पड़े।

सड़क निर्माण में अनियमितता का आरोप, विधायक के निर्देश पर हुआ निरीक्षण



बुढमू। ठाकुरगांव बैक मोड़ से कोराबार तक बन रही सड़क के निर्माण में अनियमितता का आरोप लगाते हुए प्रखंड कांग्रेस सदस्य के अध्यक्ष बलराम साहू के नेतृत्व में निर्माण स्थल का निरीक्षण किया गया। ग्रामीणों की शिकायत पर कांके विधायक सुरेश कुमार बेठा के निर्देश पर निरीक्षण किया गया। इस दौरान ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़क निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाया। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सड़क की ढलाई में पथर और बालू के साथ स्टोन डस्ट की मात्रा अधिक तथा सीमेंट की मात्रा कम इस्तेमाल की जा रही है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि सड़क की ढलाई निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं हो रही है। उन्होंने संबंधित विभाग से निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराने तथा संवेदक को निर्धारित मानकों के अनुरूप काम कराने की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि सड़क तबे समेत तक टिकोऊ रहे, इसके लिए निर्माण में गुणवत्तापूर्ण सामग्री का इस्तेमाल जरूरी है। उन्होंने निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराने की भी मांग की, ताकि गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवालों की वास्तविकता सामने आ सके। निरीक्षण के दौरान कांके विधानसभा के विधायक प्रतिनिधि गोपाल तिवारी ने कहा कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया है। यदि निर्माण में मानकों की अनदेखी पायी जाती है तो संबंधित स्तर पर कार्रवाई के लिए मामला उठाया जाएगा। वहीं विधायक प्रतिनिधि बबलू उरांव, रंशेश्वर गिरी, राजू उरांव, अजय साहू, प्रदीप प्रजापति, मुस्ताक आलम, रफीक अंसारी, कमल कुजूर सहित दर्जनों ग्रामीण मौके पर मौजूद थे।

संवेदक ने आरोपों को नकारा : मामलों में सड़क निर्माण करा रहे संवेदक के निर्माण के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि गांव के लोगों की मौजूदगी में गुणवत्तापूर्ण सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने निर्माण कार्य में किसी तरह की अनियमितता से इनकार किया। अब ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों और संवेदक के दावे के बीच सड़क निर्माण की वास्तविक गुणवत्ता जांच का विषय बन गयी है। विभागीय स्तर पर तकनीकी जांच होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

केशलपुर में अवैध कोयला सुरंग धंसी, दो की मौत, तीन घायल

कई अभी भी दबे होने की आशंका

कतरास। रामकनाली ओपी क्षेत्र स्थित केशलपुर कुम्हारपट्टी में रविवार सुबह करीब 7 बजे अवैध कोयला सुरंग में कोयला काटने और चुनने के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, अवैध सुरंग से कोयला निकालते समय अचानक ऊपरी हिस्सा (मिट्टी और चट्टान) भरभराकर धंस गया। इसकी चपेट में आकर एक महिला समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन लोगों को घायल अवस्था में बाहर निकाल लिया गया। मलबे के नीचे अभी भी कई अन्य लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, केशलपुर कुम्हारपट्टी में स्थित अवैध सुरंगों में रोजाना की तरह कुछ महिलाएं और पुरुष जान जोखिम में डालकर कोयला काटने और चुनने गए थे। निकाले गए कोयले को बाइक के जरिए



बाजार में बेचा जाता था। काम के दौरान अचानक खदान का ऊपरी हिस्सा गिरने से कई लोग मलबे के नीचे दब गए।हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

अवैध कोयला खनन: बिरेंद्र पासवान ने की निष्पक्ष जांच व सख्त कार्रवाई की मांग



लोयाबाद। बाघमारा विधायक प्रतिनिधि एवं पूर्व प्रदेश सचिव सह प्रवक्ता बिरेंद्र पासवान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया मुख्यालय, सीआईएसएफ मुख्यालय, धनबाद सांसद दुलू महतो, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, धनबाद विधायक राज सिन्हा, झरिया विधायक रागिनी सिंह, झारखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, बाबूलाल मरांडी, अमर कुमार बाउरी, धनबाद मेयर संजीव सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों को वीडियो

के माध्यम से अवगत कराया है।

उन्होंने लिखा कि कुछ दिन पहले ही सोशल मीडिया के जरिए बीसीसीएल और सीआईएसएफ सहित संबंधित अधिकारियों को कतरास के रामकनाली थाना क्षेत्र में अवैध कोयला खनन की जानकारी दी गई थी। लेकिन बीसीसीएल और सीआईएसएफ के अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया और केवल खानापूर्ति के रूप में क्षेत्र का निरीक्षण किया। परिणामस्वरूप क्षेत्र में बड़ी घटना घट गई।

बिरेंद्र पासवान ने कहा कि सोशल मीडिया से मिलने वाली सूचनाओं को अक्सर बीसीसीएल और सीआईएसएफ के अधिकारी अनदेखा कर देते हैं। इसी वजह से धनबाद जिले में भू-धंसाव और अन्य अनहोनी घटनाएं लगातार हो रही हैं। धनबाद में कोयला खनन की जिम्मेदारी बीसीसीएल अधिकारियों की है, जबकि कोयले की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ की है। लेकिन दोनों ही अपनी जिम्मेदारियों को सही ढंग से नहीं निभा रहे हैं। इसका नतीजा यह है कि जिले में अवैध खनन पर अंकुश नहीं लग पा रहा है।

उन्होंने इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी व्यक्तियों और अधिकारियों को तत्काल निर्लंबित करने तथा उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

चारों पुनर्वास स्थलों में समस्याओं का अंबार, विस्थापित समन्वय मंच ने कहा अब आश्वासन नहीं, समाधान चाहिए

चांडिल : चांडिल डैम विस्थापित समन्वय मंच के बैनर तले रविवार को कटिया पुनर्वास स्थल के फुटबॉल मैदान में एक दिवसीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में कटिया, छोटालाखा-ए, छोटालाखा-बी तथा तारकुआंग (मानिकुई) पुनर्वास स्थल के सैकड़ों विस्थापित शामिल हुए।

मंच में चारों पुनर्वास स्थलों की वर्षों पुरानी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में अवैध प्लॉट कब्जा, श्मशान घाट की जमीन की बिक्री, जमीन का पट्टा नहीं मिलना, आय-जाति-आवासीय प्रमाण पत्र नहीं बनना, सड़क, नाली, पेयजल सहित मूलभूत सुविधाओं का अभाव तथा नारकीय जीवन जैसी गंभीर समस्याएं प्रमुखता से सामने आईं। मंच ने कहा कि विकास परियोजना के लिए अपनी जमीन



और घर छोड़ने के वर्षों बाद भी विस्थापित सम्मानजनक पुनर्वास और बुनियादी अधिकारों से वंचित हैं। बैठक को संबोधित करते हुए विस्थापित समन्वय मंच ने कहा कि विस्थापितों की समस्याएं किसी एक व्यक्ति या एक गांव की समस्या नहीं हैं, बल्कि पूरे विस्थापित समाज के अधिकार और सम्मान से जुड़ा सवाल है। मंच ने कहा कि जंतर-मंतर के छात्र आंदोलन और झारखंड के छात्र आंदोलनों से यह सीख

मिलती है कि जब लोग अपनी जायज मांगों को लेकर एकजुट होकर लगातार और शांतिपूर्ण तरीके से आवाज उठाते हैं, तो उनकी सामूहिक ताकत मजबूत होती है। मंच ने स्पष्ट कहा, ह्विस्थापितों की सबसे बड़ी ताकत उनकी एकजुटता है। हमारा उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाना नहीं, बल्कि विस्थापितों के अधिकारों और समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है। बैठक में

विस्थापितों ने एक स्वर में कहा कि वर्षों से लंबित समस्याओं का अब समयबद्ध और जमीन पर दिखाई देने वाला समाधान चाहिए। केवल आश्वासन से विस्थापितों की समस्याएं खत्म नहीं होंगी। मौके पर जगन्नाथ किस्कु, बीरबल प्रमाणिक, सुरज मुर्मू,अंजू मछुआ,मंगली किस्कु,पूनम देवी, मंजू देवी,सोनिया देवी,बकिम चंद्र सिंह सरदार,राकेश रंजन महतो, आंबिका जादव ,नारायण गोप ,श्यामल मांडी, गणेश मंडल, हरेकृष्ण महतो, मनोहर महतो, सागर महतो शैलेंद्र महतो मंजू गोराई तथा सैकड़ो विस्थापित उपस्थित थे। बैठक में सभी ने विस्थापितों की एकता को मजबूत करने तथा अपने अधिकारों के लिए सामूहिक रूप से आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

केबल लेकर भाग रहा था चोर वाशरी कर्मियों ने दबोचा

बाघमारा। बीसीसीएल के ब्लॉक-दो क्षेत्र अंतर्गत मधुबन कोल वाशरी में रविवार सुबह चोरी की एक कोशिश नाकाम कर दी गई। वाशरी परिसर से केबल चोरी कर भागने की फिराक में लगे एक युवक को कर्मचारियों ने पकड़ लिया।

जानकारी के अनुसार पकड़े गए युवक का नाम बबलू बताया जा रहा है। वह चोरी का केबल

लेकर परिसर की चाहरदीवारी से बाहर निकलने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान वहां मौजूद वाशरी कर्मियों की नजर उस पर पड़ी और उन्होंने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। इस संबंध में बाघमारा थाना में देर शाम तक कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई थी। थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बताया कि शिकायत प्राप्त होते ही नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

धनबाद में दिल दहला देने वाली घटना, मां-बेटे की मौत के बाद सास ने किया सरेंडर

धनबाद। भूली थाना क्षेत्र के आजाद नगर में हुए अग्निकांड ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। इस हादसे में 23 वर्षीय सहाना खतून और उसके 10 माह के मासूम बेटे फैजान की मौत हो गई। इलाज के दौरान दोनों ने अंशर्णी अस्पताल में दम तोड़ा।मामले में पुलिस ने तेजी दिखाते हुए मृतका के पति शाहनवाज हक उर्फ राजा अंसारी और उसके पिता एनामुल हक को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। वहीं फरार चल रही सास मुसरत निगार उर्फ बेबी ने पुलिस के बढ़ते दबाव के बाद भूली ओपी में आत्मसमर्पण कर दिया। पूछताछ के बाद उसे भी जेल भेज दिया गया।बताया जाता है कि घटना के दिन सहाना अपने बच्चे के साथ घर में अकेली थी। अवाक लगी आग की चपेट में आने के बाद वह बच्चे को गोद में लेकर छत से कूद गई। वह दमल के एक अधिवक्ता के कार्यालय की टिन शेड पर जा गिरी। स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।मृतका के पिता मो. गुलाम रसूल ने ससुराल पक्ष पर दहेज उल्टीड़न का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि नवंबर 2024 में शादी के बाद से ही अतिरिक्त दहेज के लिए बेंटी को प्रताड़ित किया जा रहा था। इस शिकायत पर भूली पुलिस ने दहेज हत्या का मामला दर्ज किया है। इधर, मृतका का एक कथित ऑडियो भी सामने आया है, जिसमें वह अपने पति पर अत्याचार का आरोप लगाती सुनाई दे रही है। हालांकि पुलिस ऑडियो की प्रमाणिकता की जांच कर रही है।भूली ओपी प्रभारी ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है और कई अहम साक्ष्य जुटाए गए हैं। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

केंदुआडीह व पुटकी थाने में नए थाना प्रभारी ने पदभार ग्रहण किया



लोयाबाद : केंदुआडीह थाने के नए थाना प्रभारी के रूप में शशि रंजन कुमार तथा पुटकी थाने के नए थाना प्रभारी के रूप में मुकेश चौधरी ने रविवार को पदभार ग्रहण किया।

इस अवसर पर पुटकी पूर्व थाना प्रभारी वकार हुसैन ने दोनों को गुलदस्ता भेंट कर पदभार संभालने की बधाई दी और शुभकामनाएं दीं।

पदभार ग्रहण करते हुए शशि रंजन कुमार ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता जनता की सेवा और सुरक्षा है। क्षेत्र में अपराध पर



अंकुश लगाने के साथ-साथ आम लोगों और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पुलिस और जनता के बीच आपसी सहयोग से ही अपराध पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। आम लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

मुकेश चौधरी ने भी थाना क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने, अपराध नियंत्रण और जनता की सुरक्षा को अपनी

प्राथमिकता बताया।

गौरतलब है कि शशि रंजन कुमार इससे पहले झरिया थाना प्रभारी के पद पर कार्यरत थे। उनका तबादला केंदुआडीह थाने में किया गया है। वहीं मुकेश चौधरी पूर्व में अभियोजन कोंपांग प्रभारी के पद पर कार्यरत थे। उनका तबादला पुटकी थाने में हुआ है। दोनों अधिकारियों ने पदभार ग्रहण करते ही अपने-अपने थाना क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और जन-सुरक्षा को लेकर स्पष्ट प्राथमिकताएं तय कर दी हैं।

विश्वहिंदू परिषद् संगठन विस्तार हेतु शिष्टाचार भेंट



ईचागढ़: प्रखंड क्षेत्र के सितु मिलन चौक में रविवार को संगठन विस्तार हेतु झारखंड प्रांत सत्संग प्रमुख गणेश शंकर विद्यार्थी एवं सरायकेला खरसावां जिला विहिप मंत्री उमाकांत महतो ने ईचागढ़ विहिप

सह मंत्री दिलीप कुमार दास से शिष्टाचार मुलाकात हुई। जिसमें आने वाले दिन सितु मिलन चौक क्षेत्र में विस्तार संगठन हेतु विचार विमर्श हुई,और आगामी दिन एक विशाल आयोजन करने की निर्णय सुनिश्चित हुई।

रैनबो छात्रावास से छह छात्र फिर भागे, रात तक बरामद; अभिभावकों में आक्रोश



चांडिल : नीमडीह प्रखंड मुख्यालय से महज आधा किलोमीटर दूर रघुनाथपुर स्थित रैनबो इंग्लिश स्कूल के छात्रावास से शनिवार अहले सुबह छह छात्रों के भागने की घटना ने एक बार फिर व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है। हालांकि, नीमडीह और बलरामपुर पुलिस की तत्परता से सभी बच्चों को उसी रात बरामद कर लिया गया, लेकिन घटना के बाद अभिभावकों का डर और गुस्सा बरकरार है। बड़ा लापांग के दो, लाकड़ी के एक समेत छह बच्चों को पश्चिम बंगाल के मालती और बलरामपुर क्षेत्र से बरामद किया गया। इसके बाद नीमडीह थाना पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई और पहचान की प्रक्रिया पूरी कर बच्चों को उनके अभिभावकों को सौंप दिया। घटना में सबसे बड़ा सवाल छात्रावास की निगरानी को लेकर है। बड़ा लापांग निवासी बच्चे की मां मंगली गोप ने आरोप लगाया कि बच्चे रात करीब तीन बजे छात्रावास से निकले, लेकिन अभिभावकों को इसकी जानकारी करीब 12 घंटे बाद दी गई। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि इस दौरान बच्चों के साथ कोई अनहोनी हो जाती तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेता? ज्योत्सना गोप ने भी आरोप लगाया कि उनके बच्चे के छात्रावास से निकल जाने की जानकारी तक उन्हें समय पर नहीं दी गई। वहीं, एक बच्चे ने बताया कि वे लोग रात करीब एक बजे छात्रावास से निकले थे, जबकि प्रबंधन की ओर से बच्चों के करीब तीन बजे भागने की बात कही गई। घटना के समय को लेकर सामने आया यह अंतर भी कई सवाल खड़े कर रहा है। बताया गया कि रघुनाथपुर से करीब 10 किलोमीटर दूर पश्चिम बंगाल के मालती में एक सिविक पुलिसकर्मी ने अहले सुबह चार बच्चों को बलरामपुर की ओर जाते देखा था। बाद में पुलिस की सक्रियता से बच्चों का पता लगाया गया और उन्हें सुरक्षित बरामद कर लिया गया।

खाद्यान्न वितरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, ई-पॉश से समय पर राशन वितरण का निर्देश



चाईबासा: जिला साधारणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला आपूर्ति विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में खाद्यान्न वितरण व्यवस्था समेत आपूर्ति विभाग से जुड़े विभिन्न कार्यों की क्रमवार समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि पात्र लाभुकों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बैठक के दौरान राशन वितरण, ई-केवाईसी, डुप्लीकेट राशन कार्ड, केपीआई डाटा तथा डोर स्टेप डिलीवरी की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी राशन डीलरों को ई-पॉश मशीन के माध्यम से निर्धारित समय-सीमा के अनुसार राशन का उठाव और वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने आपूर्ति व्यवस्था को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उपायुक्त ने धोती-साड़ी, नमक तथा चना-दाल वितरण की भी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को पात्र लाभुकों के बीच इन सामग्रियों का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि कोई भी योग्य लाभुक सरकारी योजना के लाभ से वंचित न रहे। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को साइलेंट राशन कार्ड और डुप्लीकेट राशन कार्ड को चिन्हित करने का निर्देश दिया। ऐसे कार्डों की नियमानुसार जांच करते हुए आवश्यक कार्रवाई और डिलीशन का कार्य पूरा करने को कहा गया। वहीं, परिवहन अधिकताओं को गोदाम से खाद्यान्न का समय पर उठाव कर निर्धारित अवधि में संबंधित राशन डीलरों तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि खाद्यान्न आपूर्ति की पूरी प्रक्रिया में समयबद्धता और पारदर्शिता बनाए रखना जरूरी है। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी समेत संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में प्रतियोगिताओं की अहम भूमिका : सविता महतो



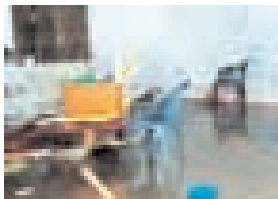
चांडिल : प्रखंड क्षेत्र के चाकूलिया फुटबॉल क्लब एवं नीमडीह प्रखंड के बाबा तिलका मांडी क्लब मुरुकडीह में आयोजित एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता में विधायक सविता महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधायक सविता महतो ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का बेहतर अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजनों को लगातार प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। मौके पर सुखी टुडू, झामुमो केन्द्रीय सदस्य चारु चांद किस्कु, ओम प्रकाश लायेक, काबलू महतो, साधु महतो, दराई बुरु हांसदा एवं अरुण टुडू आदि काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

अग्रिय घटना की सीधी जवाबदेही शिक्षा विभाग और प्रशासन की होगी।

उत्तलेखनीय है कि वर्ष 1971 में स्थापित इस प्राथमिक विद्यालय में कक्षा एक से पांच तक की कक्षाएं संचालित होती हैं। वर्तमान में करीब 70 विद्यार्थी नामांकित हैं, लेकिन दशकों पुराने भवन की मरम्मत नहीं होने से स्थिति लगातार बदतर होती

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिले के कुचाई प्रखंड की रूगुडीह पंचायत के धुनाडीह स्थित प्राथमिक विद्यालय की जर्जर हालत को लेकर ग्रामीणों और अभिभावकों का आक्रोश फूट पड़ा है। पांच दशक पुराने इस विद्यालय भवन की स्थिति इतनी दयनीय हो चुकी है कि यहां नामांकित 70 नौनिहाल जान जोखिम में डालकर डर के साये में

पढ़ाई करने को विवश हैं। बारिश के दिनों में छत से पानी टपकने और प्लास्टर गिरने के कारण बच्चों को तिरपाल के सहारे अथवा खुले आसमान के नीचे बैठाना पड़ता है। विद्यालय की बर्दाहली को लेकर ग्राम प्रधान प्रदीप मुंडा की अध्यक्षता में ग्रामीणों व अभिभावकों की एक बैठक हुई। बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि कक्षा की दीवारों में जगह-जगह



चौड़ी दरारें आ चुकी हैं और छत के कई हिस्से कभी भी ढह सकते हैं। बरसात में कमरों में जलजमाव होने

से पठन-पाठन ठप हो जाता है। अभिभावकों ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि सरकार सुरक्षित शिक्षा का दावा तो करती है, लेकिन यहां बच्चे हर पल खतरे के बीच बैठते हैं।

बैठक में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विद्यालय भवन की खस्ताहाली की जानकारी शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों, स्थानीय

जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अफसरों को कई बार लिखित रूप से दी जा चुकी है। इसके बावजूद अब तक न तो नया भवन स्वीकृत हुआ और न ही वैकल्पिक व्यवस्था की गयी। ग्रामीणों ने दैदुटक कहा कि क्या विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? बच्चों की सुरक्षा के साथ किसी भी स्तर पर खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया

जाएगा। समस्या के समाधान के लिए ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से शिक्षा विभाग को 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समयसीमा के भीतर नए भवन निर्माण या सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था पर ठोस पहल नहीं हुई, तो वे विद्यालय में तालाबंदी कर अपने बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर देंगे। किसी भी

जा रही है। बैठक में वार्ड सदस्य सरवाला मुंडा, शिक्षक जगमोहन जामुदा, मधुसूदन मुंडा, इंद्रजीत मुंडा, हरिश्चंद्र नाग, गुरुचरण मुंडा, सुखलाल मुंडा, सुकुर मुंडा, दिगो मुंडा, आसामनी मुंडा, सुकरा लोहार, जितेंद्र मुंडा, बलदेव मुंडा, इंद्रदेव मुंडा, राम सिंह मुंडा और गुरुदयाल मुंडा समेत कई ग्रामीण मौजूद थे।

करम पर्व की तैयारी को लेकर आदिवासी समाज की बैठक

21 सितंबर को प्रखंड स्तरीय आयोजन का लिया निर्णय

- सरना भवन में जुटे तीन प्रखंडों के समाजसेवी व सरना पूजा समिति के सदस्य, एकजुटता के साथ पर्व मनाने पर बनी सहमति



नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता : बालूमाथ प्रखंड के दिवाकर नगर स्थित सरना भवन में रविवार को करम पर्व की तैयारी को लेकर आदिवासी समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ऐश्वर्य उरांव ने की। इसमें बालूमाथ, बारियातू एवं हेरहंज प्रखंड के विभिन्न गांवों से आदिवासी समाज के समाजसेवी, सरना पूजा समिति के सदस्य, प्रखंड पड़हा राजा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल

हुए।बैठक में आगामी 21 सितंबर को बालूमाथ प्रखंड स्तर पर करम पर्व की पूर्व संध्या मनाने का निर्णय लिया गया। इस दौरान करम पर्व के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों, समाज की सहभागिता और आवश्यक तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही पर्व को

पारंपरिक रीति-रिवाज एवं सामाजिक एकजुटता के साथ मनाने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।बैठक में समाज के लोगों से करम पर्व को आपसी एकता, भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की गई। उपस्थित लोगों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सामूहिक रूप से

सहयोग करने की बात कही।मौके पर जिला पड़हा राजा प्रभुदयाल उरांव, तेतर उरांव, प्रमोद उरांव, नरेश उरांव, राजेश उरांव, सुनील उरांव, दिलीप उरांव, रूपों उरांव, रमेश उरांव, सुरेश गंडू, सुरेंद्र गंडू, बिशेवार उरांव, रुपनी उरांव, सरजू उरांव, मुनेश्वर उरांव, महेंद्र उरांव सहित समाज के कई लोग उपस्थित थे।

खेत में काम कर रहे किसान को जहरीले सांप ने डंसा, हालत बिगड़ने पर लातेहार रेफर



नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता : बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत लोहरसिंधना गांव में रविवार को खेत में काम करने के दौरान एक किसान को जहरीले सांप ने डंसा लिया। सर्पदंश के बाद किसान की तबीयत बिगड़ गई और वह अचेतावस्था में पहुंच गया।मिली जानकारी के अनुसार, किसान लालजीव उरांव 50 वर्ष रविवार को गांव स्थित खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक जहरीले सांप ने उन्हें डंसा लिया।

घटना के बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी। परिजन तत्काल उन्हें इलाज के लिए बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे।सीएचसी में चिकित्सक सुरेंद्र कुमार ने उनका प्राथमिक उपचार किया। स्थिति गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें सदर अस्पताल लातेहार रेफर कर दिया। परिजन उन्हें लेकर लातेहार रवाना हो गए।

मेराल गांव के पास बाइक दुर्घटना में युवक घायल, रिम्स रेफर

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता : बालूमाथ-पांकी मार्ग पर हेरहंज थाना क्षेत्र अंतर्गत मेराल गांव के समीप हुई बाइक दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान हेरहंज थाना क्षेत्र के चुकू गांव निवासी मनोज सिंह के पुत्र मनीष कुमार के रूप में हुई है।

घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल मनीष कुमार को गंभीर अवस्था में बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यहां चिकित्सक दीपक कुमार ने प्राथमिक उपचार किया। युवक के हाथ, पैर और सिर समेत शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं।घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया।

सेवा संकल्प अभियान: 25 वर्षों की सेवा यात्रा को जन-जन तक पहुंचाएंगी भाजपा : अजय साह

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जिले में होंगे 12 प्रकार के कार्यक्रम, पंचायत से लेकर लोकसभा स्तर तक चलेगा अभियान

नवप्रदेश/लातेहार प्रतिनिधि। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजनीति एवं सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक पूरे देश में ह्रस्वेवा संकल्प अभियानह चलाया जाएगा। इसी क्रम में लातेहार जिले में भी एक माह तक सेवा, सुशासन, जनभागीदारी, राष्ट्र निर्माण और नवाचार से जुड़े व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के तहत जिले में 12 अलग-अलग प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सेवा एवं सुशासन की यात्रा को जनता के बीच पहुंचाया जाएगा।

रविवार को लातेहार में आयोजित प्रेस वार्ता में भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय कुमार शाह ने अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक जीवन केवल राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की सतत यात्रा है। उन्होंने कहा कि ह्रस्वेवा संकल्प अभियानह के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी कार्यों और विकसित भारत के संकल्प को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाएंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए सेवा किसी एक दिन या अवसर का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि संगठन की



मूल कार्यसंस्कृति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने सार्वजनिक जीवन में गरीब, वंचित, महिला, किसान, युवा और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का निरंतर प्रयास किया है। इसी सेवा भावना को जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाने के उद्देश्य से यह अभियान

चलाया जा रहा है।
दीप प्रज्वलन से लेकर जनसेवक महाकुंभ तक होंगे कार्यक्रम

प्रदेश प्रवक्ता ने बताया कि अभियान के दौरान ह्यआशीर्वाद का दियाह कार्यक्रम के तहत दीप प्रज्वलन एवं जन आभार कार्यक्रम आयोजित किए

जाएंगे। वहीं

मेरे सपनों का भारत कार्यक्रम में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों और युवाओं को प्रयास होगा। वहीं ह्यवडनगर-वाराणसी सेवा यात्राह के तहत जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा का आयोजन किया जाएगा।

एवं अनकही कहानियों की संगीतमय नाट्य प्रस्तुति की जाएगी। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को प्रधानमंत्री के संघर्ष, सेवा भावना और राष्ट्र के प्रति समर्पण से परिचित कराना है।

इसी प्रकार ह्यगांव-गांव तक, आंगन मिलन सेवाह कार्यक्रम के माध्यम से आंगनबाड़ी समान एवं मातृ संवाद आयोजित होगा। इसके जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में मातृशक्ति के साथ संवाद स्थापित करने तथा महिला एवं बाल विकास से जुड़े विषयों को जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

सेवा की कहान कार्यक्रम के तहत समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाली वास्तविक कहानियों को सामने लाया जाएगा। वहीं डिजिटल माध्यम से ह्यप्रत्येक व्यक्ति केद्वि 10 रीलह तैयार कर सेवा एवं जनकल्याण के संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

विकसित भारत के संकल्प के साथ निकलेगी सेवा ज्योति कलश यात्रा

अभियान के तहत ह्यसेवा ज्योति कलश यात्राह आयोजित की जाएगी। इस यात्रा के माध्यम से विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास होगा। वहीं ह्यवडनगर-वाराणसी सेवा यात्राह के तहत जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा का आयोजन किया जाएगा।

सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम में आम

नागरिकों और कार्यकर्ताओं की जनभागीदारी से विभिन्न सेवा कार्य किए जाएंगे। इसके साथ ही सेवा सेतु अभियान के माध्यम से ह्यसरकार आपके द्वारह की भावना के अनुरूप आम लोगों तक पहुंचने और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में पहल की जाएगी।

सेवा के रंग, राष्ट्र के संगह कार्यक्रम के अंतर्गत आभार एवं संकल्प रंगोली के माध्यम से राष्ट्रसेवा और विकसित भारत का संदेश दिया जाएगा। वहीं युवाओं की रचनात्मक प्रतिभा को मंच देने के लिए ह्यसेवा फस्ट इनोवेशन चैलेंजह के तहत पांच क्षेत्रीय इनोवेशन चैलेंज आयोजित किए जाएंगे।

पंचायत से लोकसभा तक होगा ह्यजनसेवक महाकुंभ

अभियान के अंतिम महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में ह्यसुशासन सेवा संवादह शामिल है। इसके तहत ह्यजनसेवक महाकुंभह का आयोजन पंचायत से लेकर विधानसभा एवं लोकसभा स्तर तक किया जाएगा। इसमें जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों के बीच संवाद स्थापित कर सुशासन, विकास और जनसेवा से जुड़े विषयों पर चर्चा होगी। अजय कुमार शाह ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि सेवा को जनआंदोलन का स्वरूप देना और प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र निर्माण के

संकल्प से जोड़ना है। उन्होंने भाजपा के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जुटने का आह्वान किया।

मोदी सरकार की उपलब्धियों को भी जनता तक पहुंचाएंगी भाजपा

प्रेस वार्ता के दौरान अजय कुमार शाह ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की विभिन्न उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने पिछले वर्षों में गरीब कल्याण, महिला सशक्तीकरण, किसान हित, युवा विकास, आधारभूत संरचना, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और सुशासन के क्षेत्र में व्यापक प्रगति की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा सजबूत हुई है और देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। सेवा संकल्प अभियान के दौरान इन उपलब्धियों को महानुभाज का आयोजन पंचायत से लोगों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन को भाजपा कार्यकर्ता सेवा से संकल्प और संकल्प से विकसित भारत की यात्रा के रूप में जनता के सामने रखेंगे।प्रेस वार्ता में भाजपा जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, जिला मंत्री मुकेश पाण्डेय, जिला मंत्री ध्रुव पांडे, जिला कोषाध्यक्ष विष्णु देव गुप्ता समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

समेकित कृषि प्रणाली से किसानों की आय बढ़ाने पर जोर

30 किसानों को दिया गया प्रशिक्षण



नवप्रदेश बालूमाथ संवाददाता : बालूमाथ प्रखंड अंतर्गत बालू पंचायत भवन में एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजना के तहत समेकित कृषि प्रणाली विषय पर दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बालूमाथ प्रखंड के 30 किसानों ने हिस्सा लिया। विशेषज्ञों ने किसानों को कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य पालन से जुड़ी आधुनिक और व्यवहारिक तकनीकों की जानकारी दी।प्रशिक्षण के दौरान प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी नीलिमा तिकी ने पशुपालन की उन्नत तकनीक, पशुओं के बेहतर प्रबंधन तथा पशुपालन से होने वाले आर्थिक लाभ के बारे में किसानों को जानकारी दी। वहीं सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं कृषि विशेषज्ञ रोहित उरांव ने आधुनिक कृषि पद्धति, फसल प्रबंधन तथा उत्पादन बढ़ाने के उपाय बताए।मत्स्य विशेषज्ञ ज्ञान प्रकाश प्रभाकर ने वैज्ञानिक तरीके से मत्स्य पालन, तालाब प्रबंधन और मछली उत्पादन बढ़ाने की तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की।प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि के साथ पशुपालन एवं मत्स्य पालन को जोड़कर समेकित कृषि प्रणाली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा, ताकि खेती की लागत कम करने के साथ आय में वृद्धि की जा सके। इस दौरान किसानों ने विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर सवाल पूछकर जानकारी प्राप्त की और समेकित कृषि प्रणाली को अपनाने में रुचि दिखाई।कार्यक्रम को सफल बनाने में पंचायत की मुखिया संध्या देवी, सहायक तकनीकी प्रबंधक समीर अंसारी एवं बालू गांव के कृषक मित्र रंगलाल उरांव का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रशिक्षण में बिरसा किसान अमरदीप उरांव, राजमणि देवी, प्रकाश उरांव सहित अन्य किसानों ने भाग लिया।

से मत्स्य पालन, तालाब प्रबंधन और मछली उत्पादन बढ़ाने की तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की।प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि के साथ पशुपालन एवं मत्स्य पालन को जोड़कर समेकित कृषि प्रणाली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा, ताकि खेती की लागत कम करने के साथ आय में वृद्धि की जा सके। इस दौरान किसानों ने विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर सवाल पूछकर जानकारी प्राप्त की और समेकित कृषि प्रणाली को अपनाने में रुचि दिखाई।कार्यक्रम को सफल बनाने में पंचायत की मुखिया संध्या देवी, सहायक तकनीकी प्रबंधक समीर अंसारी एवं बालू गांव के कृषक मित्र रंगलाल उरांव का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रशिक्षण में बिरसा किसान अमरदीप उरांव, राजमणि देवी, प्रकाश उरांव सहित अन्य किसानों ने भाग लिया।

बालूमाथ में पहली बार आयोजित हुआ क्रिएटर मीटअप वर्कशॉप

150 सोशल मीडिया क्रिएटर्स ने लिया हिस्सा

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता : बालूमाथ स्थित होटल रोज गार्डन में रविवार को पहली बार ह्यक्रिएटर मीटअप वर्कशॉपह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करीब 150 सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर और कंटेंट क्रिएटर्स ने भाग लिया। वर्कशॉप का उद्देश्य युवाओं को सोशल मीडिया के क्षेत्र में बेहतर और जिम्मेदार कंटेंट तैयार करने के लिए आवश्यक तकनीकी एवं रचनात्मक कौशल की जानकारी देना था।कार्यक्रम को मो. चांद अंसारी ने होस्ट किया। उन्होंने युवाओं को यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक और क्लॉउडसेप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए वीडियो निर्माण, वीडियो एडिटिंग, स्टोरीटेलिंग, ट्रेलर निर्माण सहित कंटेंट क्रिएशन से जुड़ी विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने क्रिएटर्स को सोशल मीडिया पर बेहतर कंटेंट के माध्यम से अपनी पहचान बनाने और लगातार अपने कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। मो. चांद अंसारी जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली से मास कम्युनिकेशन में पीएचडी कर

- सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स को वीडियो एडिटिंग, स्टोरीटेलिंग और कानूनी पहलुओं की दी गई जानकारी



रहे हैं।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सब इस्पेक्टर देवेन्द्र कुमार सिंह एवं गौतम कुमार उपस्थित रहे। देवेन्द्र कुमार सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के युवा देश का भविष्य हैं। इसलिए सोशल मीडिया पर वीडियो या अन्य कंटेंट बनाने समय गलत और आपत्तिजनक सामग्री से बचना चाहिए। कानून एवं संवैधानिक दायरे में रहकर कंटेंट तैयार करने की सलाह देते हुए उन्होंने युवाओं को राइट टू स्पीच के अधिकार और उसकी

सीमाओं की जानकारी भी दी।वर्कशॉप के दौरान सभी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथियों एवं आयोजकों जफर मुमताज और सलमान फारसी के हाथों प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के आयोजन में सलमान फारसी, जफर मुमताज, मो. अतीक अंसारी, मो. सैफ नवाज, मो. तौकीर एवं मो. असलम अंसारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन को लेकर युवाओं और सोशल मीडिया क्रिएटर्स में खासा उत्साह देखा गया।

लोहा स्क्रेप चोरी मामले में तीन गिरफ्तार, पांच टन स्क्रेप बरामद

नवप्रदेश/चंदवा। चंदवा थाना पुलिस ने लोहा स्क्रेप चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई चंदवा थाना कांड संख्या 171/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), 317(2) एवं 3(5) के तहत की गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विकास उरांव उर्फ दामोदर, मैनाथ गंडू निवासी चतरो तथा रवि कुमार सिंह निवासी महवामिलान के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी का लगभग पांच टन लोहा स्क्रेप बरामद किया है। इसके अलावा मौके से एक पिकअप चैन और दो मोटरसाइकिल भी जब्त की गई हैं। पुलिस ने बताया कि मामले में आवश्यक कार्रवाई पूरी करते हुए तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बरामद वाहनों और स्क्रेप को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और चोरी से जुड़े अन्य पहलुओं तथा संभावित रूप से शामिल लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में अग्रतर कार्रवाई जारी है।

आहर से अज्ञात युवक का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

नवप्रदेश प्रतिनिधि, हरिहरगंज : पीपरा थाना क्षेत्र के होलेया गांव स्थित प्रिंस ईट भट्टे के समीप रविवार को आहर से करीब 35 वर्षीय अज्ञात युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गयी. शव से दुर्गंध उठने के बाद आसपास के लोगों को इसकी जानकारी हुई. इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना पीपरा थाना पुलिस को दी. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से आहर के पानी से शव को बाहर निकाला. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए मेदिनीनगर भेज दिया. थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि शव की अब तक शिनाख्त नहीं हो सकी है. प्रथमदृष्टया शव तीन-चार दिन पुराना प्रतीत हो रहा है. थाना प्रभारी ने बताया कि शव की पहचान कराने के लिए उसे 72 घंटे तक शवगृह में रखा जाएगा. इंटरनेट मीडिया सहित अन्य माध्यमों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है. पुलिस आसपास के क्षेत्रों में भी युवक के संबंध में जानकारी जुटा रही है. घटना को लेकर पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है.

एससी-एसटी में नये नियमों का भी जताया विरोध, बैठक के बाद की नारेबाजी

नवप्रदेश प्रतिनिधि, हरिहरगंज : हरिहरगंज प्रखंड के कौवाखोह



स्थित होटल मधुवन परिसर में रविवार को यूजीसी के निर्णय को वापस लेने की मांग को लेकर स्वर्ण समाज एकता मंच की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता अविनाश कुमार सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने की. इसमें स्वर्ण समाज के लोगों ने केंद्र सरकार द्वारा लाये गये यूजीसी के निर्णय का जमकर विरोध किया. बैठक में वक्ताओं ने कहा कि यूजीसी के नये निर्णय से समाज में असंतोष है. उन्होंने एससी-एसटी से जुड़े नये नियमों का भी विरोध करते हुए सरकार से इन फैसलों पर पुनर्विचार करने की मांग की. वक्ताओं ने कहा कि समाज के हितों से जुड़े मुद्दों पर सभी लोगों को एकजुट होकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए. बैठक के दौरान यूजीसी के निर्णय को वापस लेने की मांग को लेकर स्वर्ण समाज के लोगों ने जोरदार नारेबाजी की. अध्यक्ष अविनाश कुमार सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने कहा कि समाज अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगा. बैठक में अंबुज सिंह, धनंजय सिंह, प्रमोद सिंह, प्रिंस सिंह, मनीष सिंह, कृष्णा सिंह, शंभु सिंह, अमित सिंह, महाराणा सिंह, सुदय सिंह, अनिल सिंह, संजीत सिंह, चंदन सिंह, प्रियांशु सिंह, प्रदीप सिंह, अजय सिंह, संजीव सिंह, नवीन सिंह, विकास सिंह, शैलेन्द्र सिंह, बिट्टू सिंह, सिद्धू सिंह, सौरभ सिंह, सुजीत सिंह, अमित सिंह, कुमुद रंजन सिंह, आदर्श सिंह, राजा सिंह, ऋतिक सिंह, रौशन सिंह, गौतम सिंह, रोहित सिंह व नितेश सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे.



हिंदी का उपयोग सबसे बड़ी चुनौती

हिंदी दिवस हर वर्ष आता है और चला जाता है। सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग का संकल्प लिया जाता है, समारोह होते हैं, भाषण दिए जाते हैं और हिंदी की महता गिनाई जाती है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हिंदी को वास्तव में उसका वह स्थान मिल पाया है, जिसकी वह हकदार है? यदि हिंदी को केवल एक दिन याद करना है तो यह उत्सव अधूरा है। हिंदी को सम्मान की जरूरत जरूर है, लेकिन उससे कहीं अधिक जरूरत है—व्यवहार में उतारने की। हिंदी केवल भारत की एक भाषा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के संवाद, संवेदना और सामाजिक जुड़ाव का माध्यम है। देश के अलग-अलग हिस्सों को जोड़ने में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। साहित्य से लेकर पत्रकारिता, सिनेमा, शिक्षा और जनसंचार तक हिंदी ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। डिजिटल दौर में भी हिंदी का विस्तार तेजी से हुआ है। मोबाइल और इंटरनेट ने हिंदी को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने का नया अवसर दिया है। फिर भी हिंदी के सामने सबसे बड़ी चुनौती उसका उपयोग है। हम हिंदी दिवस पर हिंदी की प्रशंसा करते हैं, लेकिन व्यवहार में अंग्रेजी को अधिक प्रतिष्ठित करने की मानसिकता अब भी मजबूत है। बच्चों की शिक्षा से लेकर रोजगार तक अंग्रेजी को सफलता की पहली सीढ़ी मान लिया गया है। अंग्रेजी सीखना गलत नहीं है, लेकिन अपनी भाषा को कमतर समझना निश्चित रूप से चिंताजनक है। दुनिया की अनेक विकसित सभ्यताएं अपनी मातृभाषाओं के साथ आधुनिक ज्ञान-विज्ञान को आगे बढ़ा रही हैं। भारत भी ऐसा कर सकता है। जरूरत हिंदी बनाम अंग्रेजी की लड़ाई खड़ी करने की नहीं, बल्कि हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं के सम्मान की है। हिंदी को मजबूत बनाने का अर्थ दूसरी भाषाओं को कमजोर करना नहीं हो सकता। भारत की भाषाई विविधता उसकी ताकत है। हिंदी को इस विविधता के बीच सेतु की भूमिका निभानी चाहिए, प्रभुत्व की नहीं। हिंदी के सामने एक और बड़ी चुनौती तकनीकी और वैज्ञानिक शब्दावली की सहजता है। यदि हिंदी में उच्च शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान, कानून और तकनीकी की सामग्री सरल और गुणवत्तापूर्ण रूप में उपलब्ध नहीं होगी तो नई पीढ़ी स्वाभाविक रूप से दूसरी भाषाओं की ओर जाएगी। इसलिए हिंदी को केवल भावनाओं की भाषा नहीं, बल्कि ज्ञान, रोजगार, विज्ञान और तकनीकी की भाषा बनाना होगा। पत्रकारिता की भूमिका भी वहां महत्वपूर्ण है। समाचार-पत्र और डिजिटल मीडिया आम लोगों तक भाषा पहुंचाते हैं। भाषा जितनी सरल, सहज और प्रभावी होगी, पाठक से उसका रिश्ता उतना मजबूत होगा। हिंदी को कठिन और कुत्रिम शब्दों के बोझ से मुक्त कर जनभाषा के रूप में विकसित करना समय की मांग है। हिंदी दिवस का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब हिंदी के प्रति हमारा रवैया बदलेगा। सरकारी आदेशों और औपचारिक समारोहों से भाषा जीवित नहीं रहती। भाषा जीवित रहती है उसके निरंतर प्रयोग से। इसलिए हिंदी को एक दिन की भाषा नहीं, हर दिन की भाषा बनाना होगा।आज आवश्यकता हिंदी का गुणगान करने से अधिक हिंदी में काम करने की है। जब शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान, तकनीकी, व्यापार और रोजगार के क्षेत्रों में हिंदी को सहज अवसर मिलेगा, तभी उसका वास्तविक सशक्तीकरण होगा। हिंदी को सम्मान मंच से नहीं, व्यवहार से मिलेगा। यही हिंदी दिवस का सबसे बड़ा संदेश होना चाहिए।

मुद्रा

विदेशी मुद्रा भंडार में भारत चौथे स्थान पर

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार इस माह सितंबर में 785.7 अरब डॉलर के सर्वाधिक उच्च स्तर पर पहुंचना और रूस को पीछे छोड़कर दुनिया में चौथे स्थान पर आ जाने ने सभी को चौंकाया है। अब भारत से आगे केवल चीन, जापान और स्विट्जरलैंड हैं। यह उपलब्धि निश्चित रूप से आर्थिक आत्मविश्वास बढ़ाने वाली है, क्योंकि मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के दौर में देश के लिए सुरक्षा कवच का काम करता है। अब इससे बड़ा प्रश्न यह है कि इस स्थिति को स्थायी कैसे बनाया जाए। 04 सितंबर को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 44.9 अरब डॉलर बढ़कर 785.7 अरब डॉलर पहुंच गया। इस असाधारण वृद्धि में आरबीआई की फॉरेन रीजर्व्स सिस्टेंड यानी एफसीएनआर (बी) जमा योजना के विशेष अभिमान की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रवासी भारतीयों की ओर से बैंकिंग व्यवस्था में आई विदेशी मुद्रा ने भंडार को मजबूती दी। वास्तव में यह वृद्धि भारत की अर्थव्यवस्था के प्रति वैश्विक भरपूरों का भी संकेत है। केंद्र सरकार की नीतियों, राज्यों द्वारा निवेश आकर्षित करने के प्रयासों और रक्षा, विनिर्माण, नागरिक उड्डयन तथा डिजिटल अवसरंजना जैसे क्षेत्रों में विदेशी निवेश के विस्तार ने विदेशी मुद्रा के प्रवाह को मजबूत किया है। गुजरात की पिपट (सिटी) को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र के रूप में विकसित किए जाने से भारत में डॉलर आधारित वित्तीय गतिविधियों के लिए नया पारिस्थितिकी तंत्र भी तैयार हुआ है। विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे महत्वपूर्ण लाभ रुपये की स्थिरता से जुड़ा है। पर्याप्त भंडार होने पर भारतीय रिजर्व बैंक साईं और फॉरवर्ड करंसी बाजार में हस्तक्षेप कर सकता है। जरूरत पड़ने पर बाजार में डॉलर की उपलब्धता बढ़ाकर रुपये पर पड़ने वाले दबाव को कम किया जा सकता है। क्योंकि रुपये में कमजोरी के दौर में यह क्षमता विशेष महत्व रखती है। मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार से आवश्यक आयातों के भुगतान में सुविधा रहेगी और आयातित महंगाई के दबाव को नियंत्रित करने में भी मदद मिलेगी। इस संदर्भ में यदि हम पीछे अतीत में मुड़कर देखते हैं तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार की यात्रा देश के आर्थिक परिवर्तन की कहानी भी है। वर्ष 1991 में भारत गंभीर विदेशी मुद्रा संकट से गुजर रहा था। देश के पास लगभग दो सप्ताह के आयात के लिए ही विदेशी मुद्रा बची थी और सोना गिरवी रखने की नौबत आ गई थी। उस संकट से निकलकर आज 785.7 अरब डॉलर के भंडार तक पहुंचना भारतीय अर्थव्यवस्था के बदलाव की असाधारण यात्रा है। कहना होगा कि इस विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने में भारत की विनिर्माण और निर्यात क्षमता की बड़ी भूमिका है। एक इन इंडिया और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन यानी पीपलआउट योजनाओं ने इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल फोन, फार्मास्यूटिकल्स, उन्नत रसायन सेल बैटरियों और रक्षा उपकरणों के घरेलू उत्पादन को गति दी है। वस्तुतः इसका दोहरा लाभ हुआ है। एक ओर कुछ क्षेत्रों में आयात पर निर्भरता घटाने में मदद मिली, दूसरी ओर भारतीय उत्पादों की निर्यात क्षमता बढ़ी। सेवा क्षेत्र भी विदेशी मुद्रा अर्जन का मजबूत आधार बना हुआ है। आईटी सेवाओं, बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग और ग्लोबल बैकविलिट्टी सेंटरों से भारत में लगातार विदेशी मुद्रा आती है। विभिन्न देशों के साथ व्यापारिक समझौतों ने भी आज भारतीय उत्पादों के लिए नए बाजार खोलने में मदद की है। इस पूरी प्रक्रिया ने भारत की विदेशी मुद्रा अर्जन क्षमता को पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत बनाया है, किंतु इसके साथ इसका एक दूसरा पक्ष भी है, वस्तुतः विदेशी मुद्रा का बड़ा प्रवाह जहां भारत के लिए शक्ति है, वहीं इसके प्रबंधन की चुनौती भी है। एफसीएनआर (बी) जैसी जमा योजनाओं से विदेशी मुद्रा आती है, पर ऐसी विधियों का एक हिस्सा परिपक्वता के बाद वापस भी जा सकता है।



आशुतोष प्रसाद

तीज के झूले की पेंग इसलिए केवल ऊपर उठने और नीचे आने की कहानी नहीं है। वह उस स्त्री की यात्रा है जो कभी चुपचाप गीत गाती थी और आज उसी गीत का अर्थ पूछने लगी है। जो कभी केवल परंपरा निभाती थी, आज परंपरा को समझना चाहती है। जो कभी दूसरों के लिए उत्सव मनाती थी, आज अपने लिए भी उत्सव का अधिकार मांगती है।



उदय कुमार सिंह

भारतीय प्रवासी समुदाय के विस्तार के साथ गणेशोत्सव दुनिया के कई देशों तक पहुंच चुका है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, मलेशिया और मॉरीशस सहित अनेक देशों में भारतीय समुदाय गणेश चतुर्थी पर पूजा और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करता है। विदेशों में यह पर्व भारतीय समुदाय की सांस्कृतिक पहचान और नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने का माध्यम भी बन रहा है। दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई हिस्सों में गणेश की प्राचीन प्रतिमाएं और उनसे जुड़े सांस्कृतिक प्रतीक मिलते हैं।



रमेश सर्राफ धमोरा

हिन्दी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, और दिल्ली राज्यों की राजभाषा भी है। राजभाषा बनने के बाद हिन्दी ने विभिन्न राज्यों के कामकाज में लोगों से समर्थ स्थापित करने का अभिनव कार्य किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी विदेश यात्रा के दौरान अधिकतर अपना सम्बोधन हिन्दी भाषा में ही देते हैं।

अभिव्यक्ति

गणपति में समाहित है बुद्धि, विवेक व मंगल का संदेश

गणेश चतुर्थी (14 सितंबर) पर विशेष



धार्मिक और ज्योतिषीय विश्वासों का हिस्सा हैं। गणेश चतुर्थी का धार्मिक महत्वभाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी तिथि को भगवान गणेश का प्राकट्य हुआ था। श्रद्धालु इस दिन विधि-विधान से गणपति की स्थापना कर दुर्वा, मोदक, लड्डू और पुष्प अर्पित करते हैं। घरों और पंडालों में पूजा, आरती, भजन-कीर्तन तथा अन्य धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। अंतिम चरण में गणपति प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है। धार्मिक भाव में इसे भगवान गणेश के अपने धाम लौटने और अगले वर्ष फिर आने के निमंत्रण से जोड़ा जाता है। वर्ष 2026 में गणेश चतुर्थी 14 सितंबर को और अर्न्त चतुर्दशी 25 सितंबर को होगी। चतुर्थी तिथि 14 सितंबर से 15 सितंबर की सुबह तक रहने के बावजूद पर्व का पालन उदयातिथि के अनुसार 14 सितंबर को किया जाएगा। महाराष्ट्र से देशव्यापी जनोत्सव त्रकगणेश पूजा की परंपरा प्राचीन है लेकिन महाराष्ट्र में इसे सार्वजनिक और व्यापक सामाजिक उत्सव का स्वरूप अपेक्षाकृत आधुनिक दौर में मिला। मराठा शासन और पेशवा काल में गणेश आराधना को विशेष महत्व प्राप्त था। बाद में सार्वजनिक गणेशोत्सव को व्यापक स्वरूप देने का श्रेय लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक से जुड़ा। 1893 में पुणे में तिलक ने गणेशोत्सव को सार्वजनिक रूप देने का प्रयास किया। उनका उद्देश्य धार्मिक आयोजन को सामाजिक एकता, जनजागरण और राष्ट्रीय चेतना के मंच के रूप में विकसित करना था। ब्रिटिश शासन

के दौर में बड़े राजनीतिक जमावड़ों पर कई तरह की पाबंदियां थीं। ऐसे समय में धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ लाने का माध्यम बने। सार्वजनिक गणेशोत्सव ने महाराष्ट्र में सामूहिक भागीदारी और राष्ट्रवादी चेतना को मजबूत किया। बाद के वर्षों में इसकी लोकप्रियता महाराष्ट्र से बाहर भी फैलती गई। आज मुंबई, पुणे, नागपुर, हैदराबाद, बंगलुरु, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई सहित देश के अनेक शहरों में बड़े सार्वजनिक आयोजन होते हैं।

विदेशों में भी गूंजता है गणपति बप्पा मोरया

भारतीय प्रवासी समुदाय के विस्तार के साथ गणेशोत्सव दुनिया के कई देशों तक पहुंच चुका है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, मलेशिया और मॉरीशस सहित अनेक देशों में भारतीय समुदाय गणेश चतुर्थी पर पूजा और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करता है। विदेशों में यह पर्व भारतीय समुदाय की सांस्कृतिक पहचान और नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने का माध्यम भी बन रहा है। दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई हिस्सों में गणेश की प्राचीन प्रतिमाएं और उनसे जुड़े सांस्कृतिक प्रतीक मिलते हैं। इंडोनेशिया सहित कई देशों में गणेश की ऐतिहासिक प्रतिमाएं भारतीय सांस्कृतिक प्रभाव के पुराने प्रसार की ओर संकेत करती हैं। हालांकि इन क्षेत्रों में गणेश चतुर्थी भारत जैसी एकरूप परंपरा में मनाई जाती रही हो, ऐसा कहना उचित नहीं होगा।

हमारे स्वाभिमान और गर्व की भाषा है हिन्दी

हिन्दी हमारे स्वाभिमान और गर्व की भाषा है। हिन्दी ने हमें विश्व में एक नई पहचान दिलाई है। भारत में हर वर्ष 14 सितंबर' को हिन्दी दिवस मनाया जाता है। हिन्दी विश्व में बोली जाने वाली प्रमुख भाषाओं में से एक है। विश्व की प्राचीन, समृद्ध और सरल भाषा होने के साथ-साथ हिन्दी हमारी 'राष्ट्रभाषा' भी है। वह दुनियाभर में हमें सम्मान भी दिलाती है। यह भाषा है हमारे सम्मान, स्वाभिमान और गर्व की। हम आपको बता दें कि हिन्दी भाषा विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली तीसरी भाषा है। हिन्दी भारत सरकार की आधिकारिक भाषा है और हिंदी बोलने वालों की संख्या भारत में सर्वाधिक है। इसका इतिहास प्राचीन संस्कृत और प्राकृत भाषाओं से जुड़ा है। हिन्दी भाषा का जन्म भारत में ही हुआ था। एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है। बल्कि वह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है। जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। भारतेन्दु हरिश्चंद्र को आधुनिक हिंदी का जनक कहा जाता है। जिन्होंने हिंदी, पंजाबी, बांग्ला और मरावाड़ी सहित कई अन्य भारतीय भाषाएँ भी लिखी जाती हैं। देवनागरी लिपि में ही संस्कृत, मराठी, नेपाली और कई अन्य भारतीय भाषाएँ भी लिखी जाती हैं। देवनागरी का अर्थ है 'रदेवताओं की लिपि' या 'ईश्वर/देवता' और 'नागरी' (नागर/शहर से लिया गया विशेषण) से मिलकर बना है। देवनागरी एक ब्राह्मी-आधारित वर्णमाला है जिसका उपयोग भारत की कई भाषाएँ जैसे हिंदी, मराठी और संस्कृत को लिखने के लिए किया जाता है। इसीलिए हिंदी भाषा



को संस्कृत भाषा की प्रत्यक्ष वंशज कहा जाता है। हिंदी भाषा एक-दूसरे के साथ बातचीत करने के लिए बहुत आसान और सरल माध्यम प्रदान करती है। यह प्रेम, मिलन और सौहार्द की भाषा है। हिन्दी विविध भारत को एकता के सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह कैसी डिब्बना है कि जिस भाषा को कश्मीर से कन्याकुमारी तक सारे भारत में समझा जाता हो। उस भाषा के प्रति आज भी इतनी उपेक्षा व अवज्ञा क्यों? प्रत्येक वर्ग का व्यक्ति हिन्दी भाषा को आसानी से बोल-समझ लेता है। इसलिए इसे सामान्य जनता की भाषा अर्थात जनभाषा कहा गया है। भारत की स्वतंत्रता के बाद 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी की खड़ी बोली ही भारत की राजभाषा होगी। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद 1953 से सम्पूर्ण भारत में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस के रूप में मनाया जात लगा है जो हिंदी भाषा के महत्व को दर्शाता है। यदि हम हिंदी भाषा के

विकास की बात करें तो यह कहना गलत नहीं होगा कि पिछले सौ सालों में हिंदी का बहुत विकास हुआ है। हिंदी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना माना गया है। भारत में धर्म, परंपराओं और भाषा में विविधता के बावजूद यहां के लोग एकता में विश्वास रखते हैं। भारत में विभिन्न भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन सबसे ज्यादा हिंदी भाषा बोली, लिखी व पढ़ी जाती है। इसीलिए हिंदी भारत की सबसे प्रमुख भाषा है। हिन्दी के ज्यादातर शब्द संस्कृत, अरबी और फारसी भाषा से लिए गए हैं। यह मुख्य रूप से आर्यों और पारसियों की देन है। इस कारण हिन्दी अपने आप में एक समर्थ भाषा है। जहां अंग्रेजी में मात्र 10 हजार मूल शब्द हैं। वहीं हिन्दी के मूल शब्दों की संख्या 2 लाख 50 हजार से भी अधिक है। हिन्दी विश्व की एक प्राचीन,समृद्ध तथा महान भाषा होने के साथ हमारी राजभाषा भी है। आदिकाल से अबतक हिन्दी के आचार्यों, सन्तों, कवियों, विद्वानों, लेखकों एवं हिन्दी-प्रेमियों ने अपने ग्रन्थों, रचनाओं से हिन्दी को समृद्ध किया है। परन्तु हमारा भी कर्तव्य है कि हम अपने विचारों, भावों एवं वक्तो को विविध विधाओं के माध्यम से हिन्दी में अभिव्यक्त करें एवं इसकी समृद्धि में अपना योगदान दें। कोई भी भाषा तब और भी समृद्ध मानी जाती है जब उसका साहित्य भी समृद्ध हो। बीसवीं सदी के अंतिम दो दशकों में हिन्दी का अन्तरराष्ट्रीय विकास बहुत तेजी से हुआ है। विश्व के लगभग 150 विश्वविद्यालयों तथा सैकड़ों छोटे-बड़े केन्द्रों में विश्वविद्यालय स्तर से लेकर शोध के स्तर तक हिन्दी के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था हुई है। विश्वो से हिन्दी में दर्जनों पत्र-पत्रिकाएं नियमित रूप से प्रकाशित हो रही हैं। हिन्दी भाषा और इसमें निहित भारत की सांस्कृतिक धरोहर सुदूर और समृद्ध है। इसके विकास की गति बहुत तेज है। हिन्दी ने भाषा, व्याकरण, साहित्य, कला, संगीत के सभी माध्यमों में अपनी उपयोगिता,

क्यों हैं गणपति प्रथम पूज्य

भगवान गणेश के प्रथम पूज्य होने को लेकर पुराणों और लोकपरंपराओं में अनेक कथाएं प्रचलित हैं। इनमें गणेश और उनके बड़े भाई कार्तिकेय से जुड़ी कथा सबसे प्रसिद्ध है। कथानुसार एक बार दोनों भाइयों के बीच श्रेष्ठता को लेकर प्रश्न उठा। भगवान शिव ने कहा कि जो पूरे संसार की परिक्रमा करके पहले लौटता, वही श्रेष्ठ माना जाएगा। कार्तिकेय अपने वाहन मयूर पर सवार होकर निकल पड़े। गणेश का वाहन मूषक था। उन्होंने अपनी बुद्धि का प्रयोग करते हुए माता-पिता की परिक्रमा की और कहा कि उनके लिए माता-पिता ही संपूर्ण संसार हैं। गणेश की बुद्धिमता से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें प्रथम पूज्य होने का वर दिया। धार्मिक परंपरा में यह कथा शक्ति और गति के मुकाबले बुद्धि और विवेक की महत्ता का प्रतीक मानी जाती है। इसका संदेश है कि हर चुनौती का समाधान केवल शारीरिक सामर्थ्य या गति से नहीं बल्कि सूझबूझ से भी संभव है। गणेश के स्वरूप में छिपे जीवन-संदेशभगवान गणेश का स्वरूप प्रतीकों से समृद्ध माना जाता है। उनका विशाल मस्तक व्यापक चिंतन, छोटें आंखें एकाग्रता और बड़े कान अधिक सुनने की क्षमता का प्रतीक माने जाते हैं। उनकी सूंड सक्रियता और परिस्थितियों के अनुकूल स्वयं को ढालने की क्षमता का संकेत देती है। विशाल उदर को जीवन में मिलने वाली अच्छी-बुरी परिस्थितियों को धैर्यपूर्वक स्वीकार करने और उन्हें पचाने की क्षमता से जोड़ा जाता है। इसी कारण उन्हें 'लंबोदर' कहा जाता है। उनका एक टूटा हुआ दांत उन्हें एकदंत नाम देता है। धार्मिक व्याख्याओं में इसे त्याग, ज्ञान और उद्देश्य के प्रति समर्पण का प्रतीक माना गया है। गणेश का वाहन मूषक भी अपने भीतर प्रतीकात्मक अर्थ संकेत है। धार्मिक व्याख्या में मूषक को चंचल मन, इच्छाओं और भटकती प्रवृत्तियों से जोड़ा जाता है। विशाल गणेश के साथ छोटे मूषक की कल्पना इस संदेश को व्यक्त करती है कि बुद्धि और विवेक से मन की चंचलता पर नियंत्रण पाया जा सकता है। चार भुजाओं में जीवन-दर्शनभगवान गणेश के चार हाथों में विभिन्न वस्तुओं का चित्रण मिलता है। इनमें पाश, अंकुश, मोर्क और वरद अथवा अभय मुद्रा प्रमुख हैं। धार्मिक व्याख्याओं में पाश को आसक्ति पर नियंत्रण, अंकुश को मन को सही दिशा देने, मोर्क को ज्ञान से मिलने वाले आनंद और वरदस्पर्श को कृपा एवं संरक्षण का प्रतीक माना जाता है। हालांकि गणेश के स्वरूप और हाथों में धारण की जाने वाली वस्तुओं की व्याख्या विभिन्न ग्रंथों और परंपराओं में अलग-अलग मिलती है। यह विविधता भारतीय धार्मिक प्रतीक परंपरा की विशेषता है।

हरितालिका तीज : स्त्री के उत्सव से स्त्री की अभिव्यक्ति तक

तीज आते ही मौसम में जैसे अचानक कोई रंग घुल जाता है। पेंडों पर पड़े झूले, हाथों में रची मेहंदी, हरी चूड़ियों की खनक, साड़ियों की चमक और सावन के गीतों की मिठास—सब मिलकर एक ऐसी दुनिया रचते हैं, जिसमें स्त्री कुछ समय के लिए अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों से बाहर निकल आती है। लेकिन तीज को यदि केवल श्रृंगार, व्रत और सुहाग का पर्व मान लिया जाए तो हम उसके उस गहरे अर्थ को अनदेखा कर देंगे, जिसमें सदियों से स्त्री अपनी भावनाओं, इच्छाओं और अनुभवों को अभिव्यक्त करती आई है। तीज वास्तव में स्त्री के स्वयं से स्त्री की अभिव्यक्ति तक की एक लंबी यात्रा है। भारतीय समाज में स्त्री के लिए लोहारों का अर्थ पुरुषों से अलग रहा है। उसके हिस्से में पार सजना, पकवान बनाना, परिवार की देखभाल करना और धार्मिक अनुष्ठानों की तैयारी करना अधिक आया। लेकिन तीज ऐसा अवसर बना, जब स्त्री स्वयं उत्सव का केंद्र बनीं। वह सजती है, गाती है, झुला झूलती है, सहेलियों से मिलती है और अपने मन की बातें करती है। यह बात मामूली नहीं है। जिस समाज में स्त्री के लिए अपनी भावनाओं को सार्वजनिक रूप से व्यक्त करने की जगह सीमित रही हो, वहां गीत और लोहार उसकी अभिव्यक्ति के महत्वपूर्ण माध्यम बने। तीज के लोकगीतों को ध्यान से सुनें तो उनमें केवल शिव-पार्वती या पति की लंबी उम्र की कामना नहीं मिलती। वहां एक स्त्री का पूरा



मां के हाथ का भोजन, भाई की प्रतीक्षा, सहेलियों की हंसी और बचपन के आंगन में झुला-झुन सबके बीच वह अपने भीतर के उस हिस्से को फिर से खोजती थी जिसे विचार और जिम्मेदारियों के बीच कहीं पीछे छोड़ आई थी, लेकिन समय बदला है। आज की स्त्री नौकरी करती है, अपने फैसले लेती है, आर्थिक रूप से स्वतंत्र है, अपनी पसंद और मासंद को लेकर पहले विवाह के बाद बेटी का अपने घर लौटना केवल एक सामाजिक रस्म नहीं था। वह अपने पुराने अस्तित्व से मिलने लौटती थी। वहां वह फिर से बेटी बन जाती थी—वह बेटी जिसे किसी भूमिका, किसी जिम्मेदारी और किसी रिश्ते की परिभाषा में बांधने की जरूरत नहीं थी।

बेटियों की शिक्षा और घरेलू हिंसा जैसे विषयों पर संवाद होता है। यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है, क्योंकि उत्सव तब अधिक अर्थपूर्ण हो जाता है, जब वह जीवन से जुड़ता है। हालांकि आधुनिकता ने तीज को एक नया रूप दिया है, लेकिन उसके सामने एक चुनौती भी है। सोशल मीडिया ने लोहार को प्रदर्शन में बदलने का खतरा पैदा किया है। तीज की तस्वीरें, महंगे परिधान, आभूषण और सजावट हमारी आंखों को आकर्षित करते हैं, लेकिन यदि इन सबके बीच तीज के लोकगीत, सामूहिकता और भावनात्मक जुड़ाव खो जाएं तो उत्सव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हमसे छूट जाएगा। तीज का सौंदर्य केवल इस बात में नहीं कि स्त्री कैसी दिखाना चाहती है; बल्कि इसमें है कि वह कैसा महसूस करती है और क्या कह पाती है। इसलिए आज जरूरत तीज को छोड़ने की नहीं, उसे नए अर्थ देने की है। क्यों न तीज के अवसर पर केवल मेहंदी प्रतियोगिता और गीत-संगीत ही न हों, बल्कि स्त्रियां अपनी कहानियां भी सुनाएं? क्यों न वे अपनी मां से सुनी तीज की स्मृतियां अगली पीढ़ी को दें? क्यों न पुराने लोकगीतों को संकलित किया जाए? क्यों न बेटियां और बहुरूप साथ बैठकर तीज के अर्थ पर बातचीत करें? तब तीज केवल कैलेंडर में आने वाला लोहार नहीं रहेगा। वह स्त्री की सामूहिक

स्मृति और उसकी रचनात्मक अभिव्यक्ति का जीवंत मंच बन जाएगा। तीज की यात्रा हमें यह भी बताती है कि परंपराएं स्थिर नहीं होतीं। वे समय के साथ अर्थ बदलती हैं। कभी तो तीज स्त्री को उत्सव का अवसर देती थी; आज वही तीज उसे अपनी बात कहने का अवसर भी दे सकती है। और शायद यही किसी की जीवंत परंपरा की पहचान है—वह अतीत को संभालते हुए वर्तमान से संवाद करती है। तीज के झूले की पेंग इसलिए केवल ऊपर उठने और नीचे आने की कहानी नहीं है। वह उस स्त्री की यात्रा है जो कभी चुपचाप गीत गाती थी और आज उसी गीत का अर्थ पूछने लगी है। जो कभी केवल परंपरा निभाती थी, आज परंपरा को समझना चाहती है। जो कभी दूसरों के लिए उत्सव मनाती थी, आज अपने लिए भी उत्सव का अधिकार मांगती है। इसलिए तीज को केवल सुहाग का पर्व कहना उसके अर्थ को छोटा करना होगा। तीज स्त्री के उत्सव से शुरू हुई थी, लेकिन अब वह स्त्री की अभिव्यक्ति तक पहुंच रही है। और इस यात्रा की सबसे खूबसूरत बात यही है कि अब तीज के गीतों में केवल स्त्री की आवाज नहीं है—स्त्री स्वयं अपनी आवाज बन रही है।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार हैं)

SIR-2026 के सफल एवं पारदर्शी क्रियान्वयन को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक

योग्य मतदाता का नाम सूची में शामिल करने एवं दावे. आपतियों का नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश



आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी. सह. अनुमंडल पदाधिकारी निर्मल सोरेन, उप निर्वाचन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान एसआईआर 2026 के तहत संचालित कार्यों की प्रगति

एवं आगामी गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बताया गया कि एसआईआर के तहत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 05 अगस्त 2026 को किया जा चुका है तथा दावा एवं आपति प्राप्त करने की अवधि 05 अगस्त से 15 सितंबर 2026 तक निर्धारित है। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन

19 अक्टूबर 2026 को निर्धारित है। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने निर्देश दिया कि एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान इसका विशेष ध्यान रखा जाए कि कोई भी योग्य मतदाता मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रह जाए तथा किसी भी अयोग्य व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो।

उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए पूरी प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं निर्धारित समय. सीमा के अनुरूप संपन्न कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान प्राप्त सभी दावों एवं आपतियों का नियमानुसार सत्यापन करते हुए समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही पात्र मतदाताओं को आवश्यक जानकारी एवं निर्धारित प्रक्रिया से अवगत कराया जाए तथा मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर निर्धारित प्रावधानों के

तहत उसका सुधार सुनिश्चित किया जाए। बैठक में एसआईआर 2026 के तहत नये मतदाताओं को जोड़ने तथा दाव/आपतियों के निष्पादन की प्रक्रिया एवं प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के उपरांत दावा एवं आपति की प्रक्रिया वर्तमान में निर्धारित अवधि के अनुसार संचालित की जा रही है। इस दौरान बीएलओ सुपरवाइजर, बीएलओ एवं संबंधित कर्मी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने सभी संबंधित कर्मियों को मतदाताओं को आवश्यक सहयोग प्रदान करते हुए सुनवाई, सत्यापन एवं मैपिंग से संबंधित कार्यों को सुचारू एवं समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया।

एड्स से बचाव का संदेश लेकर गांव पहुंचा एनएसएस

इन्दरवाटांड के ग्रामीणों को किया जागरूक

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। गिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई. 1 द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन विभिन्न जागरूकता एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वयंसेवकों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। शिविर के प्रथम सत्र में स्वयंसेवकों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत गाया तथा जुवा एक्सरसाइज का अभ्यास किया। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने गांव में एड्स जागरूकता रैली निकाली एवं स्वयंसेवक अनिल कुमार ने ग्रामीणों को एड्स के कारण, बचाव एवं सावधानियों के प्रति जागरूक किया। शिविर के अंतर्गत गांव के बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। इसके पश्चात महात्मा गांधी समूह के स्वयंसेवकों द्वारा तैयार किए गए भोजन का सभी स्वयंसेवकों ने सामूहिक रूप से आनंद लिया। शिविर के द्वितीय सत्र में स्वयंसेवकों ने गांव के बच्चों से पेंटिंग एवं कला-शिल्प से संबंधित विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों को करवाया तथा बच्चों को इन गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मोहित कुमार तिवारी, डी.एल.एड. विभागाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह एवं सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे। शिविर की समस्त सामाजिक गतिविधियां एवं अन्य क्रियाकलाप जिला नोडल सह कार्यक्रम पदाधिकारी सौरभ शर्मा की देखरेख में संपन्न हुए।



कोडरमा में वन विभाग ने करीब 2 टन ढिबरा लदा कमांडर जीप किया जब्त

नव प्रदेश संवाददाता कोडरमा। ढिबरा खनन और परिवहन के खिलाफ वन विभाग ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब दो टन ढिबरा लदा कमांडर जीप जब्त किया है। हालांकि, वन विभाग की टीम को देखते ही वाहन चालक जीप छोड़कर मौके से फरार हो गया। कार्रवाई कोडरमा रेंजर के नेतृत्व में गठित वन विभाग की टीम ने की। जानकारी के अनुसार, कोडरमा रेंजर को गुप्त सूचना मिली थी कि जंगल क्षेत्र से ढिबरा लोड कर एक कमांडर जीप तिलैया की



ओर ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम सक्रिय हुई और इंदरवा स्थित देबुआडीह रेलवे पुल के समीप घेराबंदी कर वाहनों की जांच शुरू

कर दी इसी दौरान संदिग्ध कमांडर जीप को टीम ने रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान वाहन में करीब 2 टन ढिबरा लदा पाया गया। बरामद ढिबरा की बाजार

कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। वन विभाग की कार्रवाई की भनक लगते ही चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। वन विभाग ने जीप को जब्त कर लिया है और चालक की पहचान व पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। विभाग यह भी पता लगाने में जुटा है कि ढिबरा कहाँ से निकाला गया था और इसे कहाँ ले जाया जा रहा था। अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ इस कार्रवाई से कारोबारियों में हड़कंप मचा है।

नरकच्यो: तेलोडीह में अंतर जिला फुटबॉल टूर्नामेंट का रोमांच आसनसोल ने रांची को 2 - 1 से हराया

भारत माता की झांकी और राष्ट्रगान के साथ हुआ भव्य आगाज, 20 हजार दर्शकों ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

नव प्रदेश संवाददाता



मरकच्यो। प्रखंड के तेलोडीह पंचायत स्थित न्यू स्पोर्टिंग क्लब तेलोडीह के तत्वावधान में रविवार को राजकीय मध्य विद्यालय बीचरिया नईटांड के समीप नवादा खेल मैदान में अंतर जिला फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया गया। टूर्नामेंट में बंगाल के आसनसोल और झारखंड की रांची टीम के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ, जिसमें आसनसोल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रांची को 2. 1 से पराजित कर जीत दर्ज की। आयोजन की शुरुआत भारत माता की भव्य झांकी और गाजे. बाजे के साथ हुई। जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने मैदान के चारों ओर भ्रमण किया। इसके बाद

राष्ट्रगान की प्रस्तुति हुई। जिला परिषद अध्यक्ष सह राजद के पूर्व जिलाध्यक्ष रामधन यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने फीता काटकर एवं खिलाड़ियों से क्रिक मारवाकर मैच का उद्घाटन किया। मैच देखने के लिए मैदान में दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी। आयोजकों के अनुसार करीब 20 हजार दर्शक मुकाबला देखने पहुंचे और पूरे मैच के दौरान खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ते रहे। मुकाबला करीब तीन घंटे तक चला, जिसमें दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का

प्रदर्शन किया। आसनसोल की टीम ने निर्णायक बढ़त बनाते हुए 2. 1 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस दौरान अतिथियों का फूलमाला और बुके देकर स्वागत किया गया। मौके पर उमेश बर्मा, राज कुमार यादव, डॉ. जावेद अख्तर, डॉ. दिलीप गुप्ता, मुखिया टिप्पन पांसी, पंचायत समिति सदस्य दीपक राम, कैलाश यादव, राम प्रसाद साव, कमिटी अध्यक्ष मनिंदर राम, उपाध्यक्ष कृष्णदेव यादव, सचिव संजय सिंह, कोषाध्यक्ष प्रदीप राम सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

परंपरागत हथियारों के साथ सड़कों पर उतरा आदिवासी समाज

विश्व आदिवासी दिवस पर हजारों कदमों से गुंजा गुमला, आदिवासी एकता और ग्राम सभा के अधिकार का दिया संदेश

नवप्रदेश संवाददाता गुमला : विश्व आदिवासी दिवस के मद्देनजर रविवार को आदिवासी समुदाय की ओर से गुमला शहर में विशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में आदिवासी महिला-पुरुष, युवक-युवतियां और बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। हाथों में लाठी, टांगी, हंसुआ, तलवार, तीर-धनुष सहित अन्य पारंपरिक प्रतीक लिए लोग पूरे उत्साह और जोश के साथ आगे बढ़ रहे थे। जुलूस के दौरान पूरा शहर आदिवासी एकता और अधिकारों से जुड़े नारों से गुंजाता रहा। जुलूस कचहरी परिसर से शुरू हुआ और जशपुर रोड, मेन रोड तथा थाना रोड होते हुए करीब पांच किलोमीटर की दूरी तय कर चंदाली पहुंचा, जहां इसका समापन हुआ। जुलूस में शामिल लोग आदिवासी दिवस जिंदाबाद, आदिवासी एकता जिंदाबाद, वीर बुधु भगत जिंदाबाद, बिरसा मुंडा जिंदाबाद, जतरा भगत जिंदाबाद, परगना-पड़्डा व्यवस्था जिंदाबाद, ग्राम सभा जिंदाबाद जैसे नारे लगाते हुए चल रहे थे। वहीं आदिवासी जमीन और संवैधानिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर भी जोरदार नारे लगाए गए। सचिवधान और पारंपरिक व्यवस्था की रक्षा का संकल्प,जुलूस से पूर्व कचहरी परिसर में आदिवासी समाज के अगुवा एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उपस्थित लोगों को संबोधित



किया। वक्ताओं ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की पहचान, संस्कृति, जल-जंगल-जमीन, परंपरा और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए संकल्प लेने का अवसर है। वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज की अपनी समृद्ध सामाजिक एवं पारंपरिक व्यवस्था रही है। ग्राम सभा आदिवासी समाज की निर्णय प्रक्रिया का महत्वपूर्ण आधार है। इसलिए ग्राम सभा के अधिकारों और उसकी भूमिका को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाज को अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ शिक्षा, एकता और संगठन को भी मजबूत करना होगा। वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकता, संस्कृति और सामुदायिक व्यवस्था है। समाज के लोगों को अपनी भाषा, संस्कृति, परंपरा और सामाजिक मूल्यों को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए मिलकर प्रयास करना चाहिए।

जल-जंगल-जमीन की रक्षा का उठाया मुद्दा

संबोधन के दौरान जल, जंगल

और जमीन के अधिकार का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज का जीवन प्रकृति और जंगल से गहराई से जुड़ा हुआ है। जमीन केवल संपत्ति नहीं, बल्कि समाज की पहचान और आने वाली पीढ़ियों की विरासत है। इसलिए आदिवासी भूमि और सामुदायिक संसाधनों की रक्षा के लिए समाज को जागरूक और संगठित रहना होगा। उन्होंने लोगों से उद्घावन किया कि अपने अधिकारों की जानकारी प्राप्त करें, ग्राम सभा को मजबूत बनाएं और किसी भी समस्या का समाधान लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से मिलकर खोजें। जुलूस के दौरान महिला-पुरुष और युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। पारंपरिक वेशभूषा, तीर-धनुष तथा अन्य पारंपरिक प्रतीकों के साथ निकला यह जुलूस शहरवासियों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बना रहा। चंदाली पहुंचने के बाद कार्यक्रम का समापन आदिवासी समाज की एकता, संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के संकल्प के साथ किया गया

पिछड़ा वर्ग संघर्ष समिति के केंद्रीय अध्यक्ष श्री उदासन नाग की अध्यक्षता में रोनियार धर्मशाला में हुई बैठक

नवादेश/गुमला। पिछड़ा वर्ग संघर्ष समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक पालकोट रोड स्थित है रोनियार धर्मशाला के सभागार में हुई जिसमें दो जिला सिमडेगा गुमला से आए हुए विभिन्न पिछड़े समाज के साहू यादव रोनियार ठाकुर विश्वकर्मा सोनकर प्रजापति मुस्लिम समाज के अंसारी इंदरीसी दर्जी एवं अन्य समाज के पदाधिकारी शामिल हुए और सभी ने पिछड़ा समाज को मजबूत करने के उद्देश्य से अपने-अपने विचार रखे पिछड़ा वर्ग संघर्ष समिति के मजबूत कैसे हो उसके विषय पर चर्चा किया गया साथ ही जनगणना जो होने वाली है उसमें पिछड़ी जातियों का कॉलम नहीं रखा गया है इसलिए बैठक में पिछड़ी जातियों के लिए सरकार द्वारा कॉलम निर्धारित करने के लिए सरकार से मांग करने का निर्णय लिया गया साथ ही सरकार के द्वारा पिछड़ी जातियों को जनगणना में कॉलम नहीं देने पर जोरदार आंदोलन करने का निर्णय लिया गया जिसमें जनगणना का बहिष्कार साथ ही आने वाले जो भी चुनाव होगा उसका पिछड़ी जातियों के द्वारा बहिष्कार किया जाएगा बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी दिनांक 27 सितंबर 2026 को सिसई प्रखंड के रेडवा के चंदानी होटल में बैठक करने का निर्णय लिया गया है जिसमें गुमला सहित सिमडेगा खूंटी लोहरदगा एवं अन्य जिलों के प्रतिनिधि का बैठक रखा गया है उसी दिन मसाल जुलूस एवं रोंड जाम करने का तिथि निर्धारित किया जाएगा ‘ बैठक में हर हाल में परिसीमन होना चाहिए इस विषय पर सहमति बनी साथ ही गुमला सहित सात जिलों में पिछड़ी जातियों का आरक्षण रोस्टर के तहत खत्म कर दिया गया है जिसको लेकर कमेटी अनेक आंदोलन कर चुकी है फिर भी झारखंड सरकार द्वारा कोई सार्थक पहल अभी तक नहीं किया गया है इस लिए सरकार से मांग करते है

मोदी जी के जन्मदिन पर सेवा का महाअभियान, 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प

नव प्रदेश संवाददाता झुमरी तिलैया। भारतीय जनता पार्टी जिला कोडरमा के द्वारा शिव वाटिका, झुमरी तिलैया में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता का संचालन भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक ह्सेवा संकल्प अभियानह्द चलाने की जानकारी दी गई। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि बरकट्टा विधायक अमित यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लगभग 25 वर्षों के जनसेवा के कार्यकाल में 13 वर्षों तक गुजरात के मुख्यमंत्री और 12 वर्षों



तक देश के प्रधानमंत्री के रूप में

जनता की सेवा की है। उनके नेतृत्व

में देश ने विकास की नई गति प्राप्त

एक नजर

ग्रामीणों की मांग पर प्रमुख डॉ. सत्यनारायण यादव की रंग लाई पहल, दो दिनों में गांव को मिला नया ट्रांसफार्मर



नवप्रदेश/डोमचांच। प्रखंड क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने और ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर प्रखंड प्रमुख डॉ. सत्यनारायण यादव के पहल से ग्रामीणों की मांग पर कराखुट देवी मंडप के समीप 100 केवीए का ट्रांसफार्मर महज दो दिनों में उपलब्ध कराया गया। इससे पूर्व कराखुट पंचायत के पश्चिम टोला में ट्रांसफार्मर खराब होने के बाद ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए एक दिन के भीतर नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया था। वहीं, कराखुट पंचायत के ही बंगाई कला में भी ग्रामीणों की मांग पर 100 केवीए का ट्रांसफार्मर मात्र एक दिन में उपलब्ध कराया गया। इसी क्रम में बच्छेडीह पंचायत अंतर्गत पंचायत भवन के सामने ग्रामीणों ने 200 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है। ग्रामीणों की मांग को देखते हुए यहां भी ट्रांसफार्मर लगाने की तैयारी की गई है। बताया गया कि मंगलवार को 200 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया जाएगा। ग्रामीणों ने समय पर ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि, इससे बिजली आपूर्ति में सुधार होगा और लंबे समय से चली आ रही समस्या से राहत मिलेगी। मौके पर कोकिल यादव, संदीप यादव, सुजीत यादव, मनोहर यादव, रामदेव यादव, दशरथ यादव, राजेश यादव, विनोद यादव, शुभम कुमार, संजीत कुमार, सचिन कुमार, अनिल कुमार, राजा कुमार, सुमित कुमार, मनीष कुमार, अंशु कुमार, प्रियांशु कुमार, संतु कुमार, महेश राम आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

असनाबाद में मोबाइल दुकानदार पर चाकू से हमला, आरोपी गिरफ्तार, सड़क पर उतरी भीड़



नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। तिलैया थाना क्षेत्र के असनाबाद स्थित गुड्डु मोबाइल दुकान में रविवार को विवाद के बाद एक युवक ने दुकानदार इमियाज अहमद उर्फ गुड्डु पर चाकू से हमला कर दिया। घटना में इमियाज अहमद उर्फ गुड्डु गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे स्थानीय लोगों ने सदर अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया। चिकित्सक ने बताया कि इमियाज अहमद को पेट, छाती, ओर हाथ और गर्दन में काफी चोट है. घटना के बाद आरोपी अपनी बाइक मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने बाइक जब्त कर जांच शुरू की। वहीं घटना से आक्रोशित लोगों ने रांची. पटना मुख्य मार्ग जाम कर दिया। ओर आरोपी की बाइक आग के हवाले कर दिया. पुलिस ने समझाकर करीब 10 मिनट में जाम हटवाया, लेकिन बाद में भीड़ ने दोबारा सड़क जाम कर दी। इधर, तिलैया पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद किया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर घटना के कारणों की जांच कर रही है।

वाशिंग मशीन खराब होने के कारण उपभोक्ता फॉर्म गुमला में घाघरा निवासी अभित ठाकुर अपने शिकायत दर्ज कराई

नवप्रदेश/गुमला जिला मुख्यालय के उपभोक्ता फोरम में घाघरा निवासी अभित कुमार ने गुमला जिले में स्थित आदित्य विजन दुकान में खराब वाशिंग मशीन देने केलिए वाद सं37/2026के तहत एक शिकायत वाद दर्ज किया है इस पर आवेदक ने आरोप लगाया है कि मैं पालकोट रोड स्थित आदित्य विजन दुकान से गत वर्ष नगद भुगतान कर हायर कम्पनी का एक वाशिंग मशीन खरीदी की थी जो कि मात्र दो महीने में ही खराब हो गया जिसकी शिकायत मैं बार-बार उक्त दुकान में किया लेकिन उक्त दुकान के मैनेजर कोशल जी के द्वारा बार-बार टाल-मटोल करते हुए उन्होंने आश्वसन देकर मेरे द्वारा खरीदी गई मशीन को नहीं बनवाया गया। जिसके कारण मुझे काफी मानसिक एवं आर्थिक क्षति हुई। और मुझे मजबूर होकर उपभोक्ता फॉर्म जाने को विवश होना पड़ा



कोई कमी नहीं है। जरूरत है प्रतिभाओं को उचित मंच, अवसर नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इसी संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भाजपा कार्यकर्ता एक माह तक सेवा, समर्पण और जनसेवा के विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मोदी जी के विचारों एवं जनकल्याणकारी कार्यों को जनता तक पहुंचाएंगे। विधायक अमित यादव ने बताया कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर

जलाकर उनके दीघायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की जाएगी। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता समाज के विभिन्न वर्गों के बीच पहुंचकर सेवा कार्य करेंगे और प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत के संकल्प को मजबूत बनाने का कार्य करेंगे। प्रेस वार्ता में भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ नरेश पंडित, सुभाष मोदी, गोपाल कुमार गुत्तल, मंत्री सुधीर सिंह, सुनीति सेठ, उमेश वर्मा, चन्द्र शेखर जोशी, हरि पंडित, इंद्रदेव बरनवाल, संजय पासवान, अंकित गुप्ता आदि उपस्थित रहे।



॥ श्री गणेशाय नमः ॥ भगवान गणेश

विघ्नहर्ता • मंगलकर्ता • बुद्धि प्रदाता

भगवान गणेश, जिन्हें विघ्नहर्ता, प्रथम पूज्य और मंगलकर्ता के रूप में जाना जाता है, हिंदू धर्म में अत्यंत पूजनीय हैं। उनका स्मरण हर शुभ कार्य की शुरुआत में किया जाता है।

गणपति बप्पा मोरया
⇒ मंगल मूर्ति मोरया ←

✦ जन्म कथा ✦



पौराणिक मान्यता के अनुसार, माता पार्वती ने अपने उबटन (हल्सी) से भगवान गणेश का निर्माण किया था और उन्हें अपने द्वार की रक्षा के लिए खड़ा किया था। बाद में भगवान शिव ने उनका शीश काट दिया, लेकिन माता पार्वती के क्रोध को शांत करने के लिए हाथी का सिर लगाकर उन्हें पुनर्जीवित किया। तभी से वे गजानन कहलाए।

✦ गणेश जी की विशेषताएँ ✦

- हाथी का सिर – बुद्धि और विवेक का प्रतीक
- बड़ा पेट – सहनशीलता और सकारात्मकता
- छोटे हाथ और बड़ी सुंद – सूक्ष्मता और दूरदर्शिता का संकेत
- मूषक वाहन – इच्छाओं पर नियंत्रण
- एक दांत – त्याग और बलिदान का प्रतीक

गणेश जी के प्रिय चीजें



- मोदक
- दूर्वा घास
- लड्डू
- लाल फूल
- और सिंदूर

✦ प्रमुख मंत्र ✦



- ॐ गं गणपतये नमः
- वक्तुं महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥
- श्री गणेशाय नमः

✦ गणेश चतुर्थी ✦



भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। यह त्योहार पूरे भारत में धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन भगवान गणेश की विधिवत पूजा, स्थापना और आरती की जाती है।

गणेश जी से मिलने वाली सीख

- जीवन में सकारात्मक सोच रखें।
- समस्याओं से भागें नहीं, उनका सामना करें।
- ज्ञान और विवेक को अपनाएं।
- अहंकार से दूर रहें।
- सभी के साथ प्रेम और सद्भाव बनाए रखें।



“जहाँ गणेश का वास होता है,
वहाँ सुख, शांति और समृद्धि का निवास होता है।”



गणेश जी की कृपा
सदा आप और आपके परिवार
पर बनी रहे।

तीज

सावन की रिमझिम में
नारी का उत्सव

श्रद्धा, प्रेम और
सौभाग्य का पर्व
हरियाली तीज



तीज का महत्व

तीज का पर्व नारी शक्ति, प्रेम, समर्पण और सौभाग्य का प्रतीक है। यह व्रत विवाहित महिलाओं के लिए पति की लंबी आयु और सुखी दांम्य जीवन की कामना के साथ मनाया जाता है। साथ ही, यह पर्व प्रकृति की हरियाली, खुशहाली और जीवन में नई उर्जा का संदेश भी देता है।

कब मनाई जाती है तीज?

तीज मुख्य रूप से भाद्रपद (भादो) महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है। इसे हरतालिका तीज कहा जाता है। 2026 में हरतालिका तीज आज 14 सितंबर, सोमवार को मनाई जाएगी। इसमें महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं और कई महिलाएं निर्जला व्रत भी रखती हैं।

भाद्रपद (भादो)
महीने के शुक्ल
पक्ष की तृतीया
तिथि को मनाई
जाती है

तीज की प्रमुख रस्में

- ❖ **व्रत** : महिलाएं निर्जला या फलाहार व्रत रखती हैं और भगवान शिव व माता पार्वती की पूजा करती हैं।
- ❖ **पूजा** : घर और मंदिरों में शिव-पार्वती की प्रतिमा की पूजा की जाती है। सुहागिनें सोलह श्रृंगार करके माता पार्वती से अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगती हैं।
- ❖ **झूला** : इस दिन महिलाएं और युवतियां झूला झूलती हैं और लोकगीत गाती हैं।
- ❖ **मेहंदी और श्रृंगार** : हाथों में मेहंदी लगाना, नई साड़ी पहनना और पारंपरिक श्रृंगार तीज की खास पहचान है।
- ❖ **सामूहिक उत्सव** : गांव और शहरों में तीज के अवसर पर मेलों, गीत-संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है।



तीज के पारंपरिक गीत

“कजरी गाएं, झूला डाले,
सखी री सावन आयो रे।
पिया के संग मिलन की आस,
मन में उमंग छायो रे।”



हरियाली तीज की
हार्दिक शुभकामनाएं

आइए, इस तीज पर हम प्रकृति की हरियाली, नारी सम्मान और सुख-समृद्धि का संकल्प लें।

नम्रप्रस्था/बेलदोर/खगाडिया। बेलदोर प्रखंड अंगरेज उसराहा पुल के समाप्त स्थित एक भंजिर परिसर में रविवार को झाड़वर एसोसिएशन और बिहार की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र यादव विशेष रूप से शामिल हुए। उनके पहुंचते ही स्थानीय झाड़वर संगठन के सदस्यों ने उनका हाथ माहोली देसने को मिला। प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र यादव का स्थानीय झाड़वरों द्वारा ढोल-गाड़ा, गाड़ियों एवं घोड़े के साथ भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद उन्हें सम्मानपूर्वक बैठक स्थल तक लाया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष को फूल-माला पहनाकर एवं अंगरज कर संग्रह समर्पित किया गया। वहीं, पत्रकार सुमेश कुमार को भी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र यादव सहित मौजूद झाड़वर संगठन के सदस्यों ने माला एवं आप्वास देकर सम्मानित किया। इसके अलावा बेलदोर एवं चौधम क्षेत्र के साथ-साथ बेरसतया, पहेसुगु सहित विभिन्न जिलों से पहुंचे संगठन के पदाधिकारियों एवं झाड़वर साथियों का भी स्थानीय स्थलों द्वारा माला पहनाकर एवं आप्वास देकर स्वागत किया गया। बैठक के दौरान संगठन से जुड़े दर्जनों झाड़वरों ने बारी-बारी से अपनी समस्याएं एवं सुझाव रखे। वक्तोंओं ने कहा कि झाड़वर दिन-रात मेहनत कर लोगों एवं सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वक्तोंओं ने कहा कि झाड़वरों की समस्याओं को मजबूती से सरकार एवं संबंधित विभागों के समक्ष रखने के लिए सभी झाड़वरों का एकजुट होना जरूरी है। संगठन को मजबूत कर ही झाड़वरों की समस्याओं और अधिकारों की आवाज को मजबूती से उठाया जा सकता है। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र यादव ने अधिक से अधिक झाड़वरों से संगठन से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जितनी अधिक संख्या में झाड़वर संगठन से जुड़ेंगे, संगठन उतना ही मजबूत होगा और झाड़वरों की आवाज सरकार एवं संबंधित विभागों तक मजबूती से पहुंचाई जा सकेगी। उपेंद्र यादव ने दावा किया कि झाड़वर एसोसिएशन और बिहार बिहार के सभी 38 जिलों एवं 534 प्रखंडों में संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन की ओर से अब तक कई झाड़वर साथियों को विभिन्न प्रकार का लाभ पहुंचाया गया है।

संक्षिप्त खबरें

गणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं



नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या पर देश और विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने भगवान गणेश को बुद्धि, समृद्धि और शुभारंभ का प्रतीक बताते हुए लोगों के जीवन में सुख, शांति, अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार, उन्होंने अपने संदेश में कहा कि गणेश चतुर्थी का पर्व जीवन में ऊर्जा, ज्ञान और सकारात्मकता लेकर आता है। यह पवित्र पर्व लोगों को नए संकल्पों के साथ प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने भगवान गणेश से सभी के जीवन में सुख, शांति, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने की प्रार्थना की। राष्ट्रपति ने देशवासियों से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संकल्प लेने का भी आह्वान किया।

मग्न में स्वाइन फ्लू से एक और मरीज की मौत एक माह में चौथे व्यक्ति ने तोड़ा दम

भोपाल। मध्य प्रदेश में एच1एनए1 (स्वाइन फ्लू) के बढ़ते मामलों के बीच एक और मरीज की मौत हो गई। संक्रमण की चपेट में आए भोपाल के एक बुजुर्ग ने शनिवार रात निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। भोपाल में इस साल स्वाइन फ्लू से यह पहली और प्रदेश में एक माह में चौथी मौत हुई है। जानकारी के मुताबिक, भोपाल के ओल्ड मिनाल रेसीडेंसी निवासी राम सिंह (80) स्वाइन फ्लू से संक्रमित थे। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, संक्रमण के चलते उन्हें गंभीर रेस्पैरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम और एक्यूट रेस्पैरेटरी फेलियर हो गया था। बुजुर्ग पहले से ही हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और टाइप-2 डायबिटीज जैसी बीमारियों से पीड़ित थे।

नेपाल के बाढ़ विस्थापित परिवारों को हर महीने मिलेगी 15 हजार रुपये सहायता राशि

काठमांडू। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ से विस्थापित हुए लोगों को सरकार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने जा रही है। रविवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में भोटेकोशी बाढ़ प्रभावित परिवारों को स्थायी आवास बनने तक मकान किराए और अन्य जरूरी खर्चों के प्रबंधन के लिए आर्थिक सहायता देने का फैसला लिया गया। संचार मंत्री विक्रम तिमिल्सिना ने बताया कि चार सदस्यों तक के परिवार को हर महीने 15 हजार रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा परिवार में प्रत्येक सदस्य के लिए 2 हजार रुपये अतिरिक्त उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। अगर कोई परिवार यह आर्थिक सहायता नहीं लेना चाहता है, तो सरकार स्थायी आवास बनने तक उस के लिए अस्थायी आवास की व्यवस्था करने का विकल्प भी देगी। मंत्री तिमिल्सिना ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि इस संबंध में आवश्यक विवरण जुटाने के लिए सभी संबंधित स्थानीय तहों में फॉर्म भेज दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बाढ़ से हुए शुरूआती नुकसान और क्षति का आकलन पूरा कर चुकी है, जबकि विस्तृत जरूरतों का मूल्यांकन अभी किया जा रहा है। इसके आधार पर जरूरी संसाधनों की व्यवस्था कर पुर्ननिर्माण और पुनर्स्थापना के काम को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा।

जावा सागर में लापता जहाज से बचाए गए 103

यात्रियों में से एक की मौत, 140 यात्री अभी भी गायब

जकार्ता (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया के बंजरमासिन सर्च एंड रेस्क्यू (बचाव और खोज दल) ने जावा सागर में लापता जहाज (वर्जिनो ट्रांसपोर्ट 8) के 103 यात्रियों को रविवार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इनमें से से एक की मौत हो गई। दल अभी 140 यात्रियों की खोज रहा है। वर्जिनो ट्रांसपोर्ट 8 का रविवार तड़के संपर्क टूटने के बाद बचाव और खोज अभियान शुरू किया है। इस जहाज पर कुल 243 लोग सवार थे। अंतारा की रिपोर्ट के अनुसार बंजरमासिन सर्च एंड रेस्क्यू कार्यालय के प्रमुख आई पुतु सुदयाना ने बताया कि संकट की जानकारी मिलते ही बलक मौजूद तीन वाणिज्यिक जहाजों ने इन लोगों का पता लगाया और उन्हें सुरक्षित बचाया। रविवार को संवाददाता सम्मेलन में सुदयाना ने कहा, मध्य इंडोनेशिया समय (जीएमटी+8) के अनुसार दोहरे 12 बजे तक कुल 103 यात्रियों को सफलतापूर्वक बचा लिया गया। उन्होंने बताया कि बचाव और खोज अभियान में टीबी मोहाव 9 (एमटी मोहाउ), टीबी टी-सी-पी और एमवी हार्डटा जहाज की टीमें लगी हुई हैं। इस समय 140 लापता लोगों की तलाश की जा रही है। तीन वाणिज्यिक जहाजों के अलावा बचाव अभियान में केप्टन एसएअर लक्ष्मण, इंडोनेशियाई युद्धपोत केआरआई नाला और नौविकेशन जहाज केएम कुनियिको भी शामिल किया गया है। बताया गया है कि खराब मौसम के बाद वर्जिनो ट्रांसपोर्ट 8 का स्थानीय समय (जीएमटी+8) के अनुसार सुबह करीब 2 बजे संपर्क टूट गया था। वह जहाज 12 सितंबर को पूर्वी जावा के सुराबाया से रवाना हुआ था और बंजरमासिन की ओर जा रहा था। द कोरिया टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार बंजरमासिन सर्च एंड रेस्क्यू कार्यालय के प्रमुख आई पुतु सुदयाना ने कहा कि जहाज के कप्तान ने संकट का संदेश भेजने से पहले समुद्र में खराब हालात और 3 मीटर (10 फीट) तक ऊंची लहरों की सूचना दी थी और कहा था कि जहाज एक तरफ झुक रहा है। खोज और बचाव कार्यालय के प्रमुख सुदयाना ने बताया कि बाद में अधिकारियों को जानकारी मिली कि जहाज पलट गया है। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार 17,000 द्वीपों वाला देश इंडोनेशिया परिवहन के मुख्य साधन के रूप में फेरी पर बहुत ज्यादा निर्भर है। इसकी वजह यह है कि इंडोनेशिया में हवाई यात्रा की तुलना में समुद्री रास्ते सस्ते और आसानी से उपलब्ध हैं। हालांकि सुरक्षा मानकों का हमेशा सख्ती से पालन नहीं किया जाता है, जिसके कारण दुर्घटनाओं की दर अपेक्षाकृत ज्यादा है।

अंग्रेजी बोलने वाले को विद्वान और अपनी भाषा में बोलने वाले को कमतर समझने की मानसिकता बदलें : डॉ. कुलदीप अग्निहोत्री

–भाषा समागम-2026 में बोले- भारतीय ज्ञान परंपरा के पुल को जोड़ने का केंद्र बनेगा काशी- हिन्दुस्थान समाचार का भारतीय ज्ञान परंपरा को अपनी विरासत से जोड़ना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना महत्वपूर्ण कदम

वाराणसी। केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के पूर्व कुलपति डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने कहा कि भारत के पुरातन ज्ञान और आधुनिक ज्ञान के बीच एक दीवार खड़ी हो गई है। आज सबसे बड़ी चुनौती इस दीवार को तोड़कर दोनों ज्ञान धाराओं को जोड़ने की है। हमें छह हजार या दस हजार वर्ष पीछे जाकर बैठना नहीं है, बल्कि अपनी प्राचीन ज्ञान परंपरा को वर्तमान विज्ञान और शिक्षा से जोड़ना है। इससे सनातन ज्ञान का प्रवाह आगे बढ़ेगा और देश को उसका नया लाभ मिलेगा। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गांधी अध्ययन पीठ सभागार में हिंदी

दिवस की पूर्व संध्या पर हिन्दुस्थान समाचार की ओर से रविवार को आयोजित ह्यभारतीय ज्ञान परंपरा, क्षेत्रीय भाषाएं और समृद्ध भारतह विषयक भारतीय भाषा समागम- 2026 को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए डॉ. अग्निहोत्री ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को केवल दर्शन, आत्मा और परमात्म तक सीमित कर देना उसके व्यापक स्वरूप को छोटा करना है। भारत ने गणित, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान और ग्लोबल विज्ञान सहित अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण ज्ञान अर्जित किया था। आवश्यकता इस बात की है कि उस ज्ञान को खोजा जाए, समझा जाए और आधुनिक संदर्भ में उसका मूल्यांकन किया जाए। उन्होंने कहा कि काशी अब केवल आस्था और अध्यात्म की नगरी नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक ज्ञान के बीच टूटे पुल को जोड़ने का केंद्र बन सकती है। पुरातन ज्ञान को वर्तमान ज्ञान से

प्रधानमंत्री मोदी की नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका और बुरुंडी के शीर्ष नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठके



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर अफ्रीकी महाद्वीप के तीन प्रमुख नेता नाइजीरिया के उपराष्ट्रपति काशिम शेडिमा मुस्तफा, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और अफ्रीकी संघ (एयू) के अध्यक्ष व बुरुंडी के राष्ट्रपति एवारेस्टे नदाइशिमिये के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन बैठकों में व्यापार, निवेश, रक्षा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग तथा 'ग्लोबल साउथ' की प्राथमिकताओं को मजबूती से उठाने पर सहमति बनी। साथ ही भारत-अफ्रीकी संघ साझेदारी को नई गति देने और चौथे 'मिग्री-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन (आईएफएफएस-नर)' के जल्द आयोजन पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नाइजीरियाई प्रतिनिधिमंडल का

नेतृत्व कर रहे उपराष्ट्रपति काशिम शेडिमा मुस्तफा के साथ वार्ता में बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने व्यापार एवं निवेश, रक्षा एवं सुरक्षा, ऊर्जा साझेदारी, कृषि, स्वास्थ्य और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग को और गहरा करने पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने अधिक प्रतिनिधि, समावेशी और बहुधुवीय वैश्विक व्यवस्था के निर्माण के लिए बहुपक्षीय मंचों पर तालमेल बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। नाइजीरियाई उपराष्ट्रपति ने देश में क्षमता निर्माण और आर्थिक विकास में भारत के योगदान की सराहना की। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा के साथ बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की और ऐतिहासिक संबंधों व सांस्कृतिक निकटता पर आधारित संबंधों को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों नेताओं ने

नेपाल के जोखिमपूर्ण हिमतालों का जलस्तर घटाने की तैयारी, ब्लास्टिंग पर भी विचार

काठमांडू। नेपाल सरकार के ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई मंत्री विराजभक्त श्रेष्ठ ने बताया है कि सरकार जोखिमपूर्ण हिमतालों का जलस्तर घटाने के लिए आवश्यक तैयारी कर रही है। मंत्री श्रेष्ठ ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए अत्यधिक जोखिम वाले हिमतालों का जलस्तर कम करने को लेकर मंत्रालय ने गृहकार्य आगे बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि जोखिम वाले हिमतालों के पानी को वैज्ञानिक तरीके से निकालकर संभावित खतरे को कम करने पर चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा कि कुछ जोखिमपूर्ण हिमतालों में ब्लास्टिंग के जरिए जलस्तर घटाने के विकल्प पर भी विचार किया जा रहा है। मंत्री श्रेष्ठ ने कहा कि जोखिमपूर्ण हिमतालों के पानी को वैज्ञानिक तरीके से निकालकर उन्हें खतरे से मुक्त करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हम आपदा जोखिम की पूर्व तैयारी को लेकर गंभीर हैं। तैयारी पूरी होने के बाद निर्णय लिया जाएगा। हालांकि, किन-किन हिमतालों का जलस्तर घटाया जाएगा, इस पर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। मंत्री के मुताबिक विशेषज्ञों से परामर्श लिया जा रहा है और विशेषज्ञों ने कई हिमतालों के नाम सुझाए हैं। जोखिम का स्तर और वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर जलस्तर घटाने का फैसला किया जाएगा।

अपनी स्मृति, इतिहास और परंपरा की रक्षा करने वाला राष्ट्र कभी नष्ट नहीं होता : अमित शाह

गृह मंत्री अमित शाह ने मुंबई में 'गणेश ज्ञानार्थी प्रदर्शनी' का किया उद्घाटन– बोले– डीकोलोनाइजेशन का अर्थ इतिहास मिटाना नहीं, भारतीय दृष्टि से उसे पूर्ण और प्रामाणिक रूप में प्रस्तुत करना है

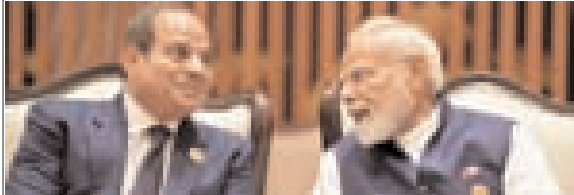
मुंबई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को मुंबई में एशियाटिक सोसाइटी की ओर से आयोजित ह्यगणेश ज्ञानार्थी प्रदर्शनीह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जो राष्ट्र अपनी स्मृति, इतिहास, भाषा, परंपरा और मूल्यों की रक्षा नहीं कर सकता, उसका चाहे कितना भी सामर्थ्य वसां न हो, पतन निश्चित है। वहीं, जो अपनी परंपरा और ज्ञान की रक्षा करता है, उसे सदियों की

गुलामी के बाद भी कोई नष्ट नहीं कर सकता। भारत इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

अमित शाह ने कहा कि डीकोलोनाइजेशन का अर्थ इतिहास को मिटाना नहीं, बल्कि भारतीय परिप्रेक्ष्य से इतिहास को फिर से पूर्ण और प्रामाणिक रूप में दुनिया के सामने रखना है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, अमित शाह ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि वह इस कार्यक्रम में गृह मंत्री के रूप में नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से चली आ रही भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने के आंदोलन के एक सहभागी के रूप में आए हैं। उन्होंने कहा कि नालंद के पुस्तकालय को जलाया जा सकता था और उससे महीनों तक धुआं उठ सकता था, लेकिन

प्रधानमंत्री ने मिश्र और इंडोनेशिया के नेताओं से बातचीत की



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मिश्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सीसी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो के साथ संवाद किया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर इसकी जानकारी साझा करते हुए बताया कि राष्ट्रपति अल-सिसी के साथ शानदार बातचीत हुई। हमने कई मुद्दों पर चर्चा की, विशेष रूप से क्षेत्रीय मुद्दों और भारत-मिश्र की दोस्ती पर, जो हाल के दिनों में काफी मजबूत हो रही है। वहीं, राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो से मुलाकात को उन्होंने बेहद सुखकारी बताया। उन्होंने कहा कि उनकी गर्मजोशी, सकारात्मकता और आशावादिता हमेशा ही मन को मोह लेती है। भारत और इंडोनेशिया विभिन्न क्षेत्रों में अपनी साझेदारी को और मजबूत करते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत की मेजबानी में ब्रिक्स देशों की शिखर वार्ता नई दिल्ली में हो रही है। प्रधानमंत्री वार्ता के इतर सम्मेलन में भाग लेने आए देशों के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। इसी क्रम में विदेश मंत्री भी अपने समकक्षों से मुलाकात कर रहे हैं। उन्होंने आज सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद से मुलाकात की। उन्होंने एक्स पर कहा कि क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों के साथ-साथ द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के विषयों पर विचार-विमर्श किया।

वैश्विक मुद्दों पर करीबी समन्वय बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। दक्षिण अफ्रीका से भारत में चीतों के सफल पुनर्वास के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी ने दक्षिण अफ्रीका को 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस' (आईबीसीए) में शामिल होने का निमंत्रण दिया। राष्ट्रपति रामाफोसा ने शिखर सम्मेलन के

सफल आयोजन और आतिथ्य के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। इसके अलावा, अफ्रीकी संघ (एयू) के अध्यक्ष एवं बुरुंडी के राष्ट्रपति एवारेस्टे नदाइशिमिये के साथ बैठक में वर्ष 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ की स्थायी सदस्यता दिलाने की ऐतिहासिक पहल को

बुजुर्गों के सम्मानजनक जीवन के लिए केंद्र ने 142 नए वृद्धाश्रम किए मंजूर

2.88 लाख से अधिक को मिली देखभाल सुविधा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देशभर में वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा, कल्याण और गरिमापूर्ण जीवन को सुनिश्चित करने के लिए 142 नए वरिष्ठ नागरिक गृह (वृद्धाश्रम) मंजूर किए हैं। अब तक 2.88 लाख से अधिक बुजुर्गों को आश्रय, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य जांच और फिजियोथेरेपी जैसी अनिवार्य सहायता सेवाओं से लाभान्वित किया जा चुका है। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के मुताबिक, वरिष्ठ नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारने, रोजमर्रा की देखभाल उपलब्ध कराने और उन्हें स्वतंत्र जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए बहुआयामी कदम उठाए जा रहे हैं। नए स्वीकृत वरिष्ठ नागरिक गृहों से



उन वृद्धजनों को सुरक्षित और सम्मानजनक आश्रय मिलेगा, जिन्हें पारिवारिक या सामाजिक स्तर पर देखरेख की आवश्यकता है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सचिव सुधांशु पंत ने रविवार को बताया कि बुजुर्गों की गतिशीलता और आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए देशभर में 228

विशेष शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों के जरिए 4.91 लाख से अधिक लाभार्थियों को कवर किया गया और लगभग 23.93 लाख नि:शुल्क सहायक जीवन उपकरण वितरित किए गए। पंत के अनुसार, गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) और अल्प आय वर्ग के पात्र वरिष्ठ नागरिकों

को व्हीलचेयर, कान की मशीन (हियरिंग एड्स), छड़ी (वॉकिंग स्टिक) और चश्मा प्रदान किए गए हैं। इन उपकरणों के मिलने से बुजुर्गों की रोजमर्रा की आजादगी और संवाद में बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रपति द्वारा 'सीनियर सिटीजंस वेल्फेयर पोर्टल' शुरू किया गया है। यह पोर्टल वरिष्ठ नागरिकों से जुड़ी सरकारी योजनाओं, अधिकारों और सुविधाओं की सटीक जानकारी देने वाला साझा मंच बन चुका है। सचिव ने कहा कि मंत्रालय का उद्देश्य सुलभ स्वास्थ्य व संस्थागत देखभाल के जरिए बुजुर्गों को स्वावलंबी और सुरक्षित परिवेश प्रदान करना है।

को समझने, लंबे समय तक शासन बनाए रखने और समाज में हीनभावना पैदा कर लोगों का आत्मविश्वास कमजोर करने के लिए किया गया। उन्होंने कहा कि अब देश स्वतंत्र है और एशियाटिक सोसाइटी के ज्ञान भंडार का उपयोग विश्व एवं राष्ट्र कल्याण के लिए किया जाना चाहिए।

शाह ने भारत रत्न पंडित पांडुरंग काणे के कार्यो पर आधारित काणे समग्र के संकलन का सुझाव दिया, ताकि अपने वाली पीढ़ियों को उचित मार्गदर्शन मिल सके।

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार एशियाटिक सोसाइटी को हरसंभव सहयोग दे रही है और आगे भी देती रहेगी। उन्होंने संस्था को भारत सरकार के ह्यज्ञान भारतम राष्ट्रीय

पांडुलिपि मिशन से पूरी तरह जोड़ने पर जोर दिया।

अमित शाह ने महाराष्ट्र के गांवों से प्राचीन पांडुलिपियों और दस्तावेजों को एकत्र कर शोध की व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि देश को आर्थिक और रक्षा क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ बनाने के सूत्र इन प्राचीन पांडुलिपियों में निहित हैं। उन्होंने ज्ञान के डिजिटलीकरण और देशभर के पुस्तकालयों को एक साझा मंच से जोड़ने का भी आह्वान किया।

कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और एशियाटिक सोसाइटी ऑफ मुंबई के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रामचरितमानस की रचना की और समाज ने उसे स्वीकार किया, क्योंकि उसमें निहित विचार महत्वपूर्ण थे। अंग्रेजी को लेकर बनी मानसिकता में बदलाव की जरूरत बताते हुए उन्होंने कहा कि अंग्रेजी बोलने वाले को विद्वान और अपनी भाषा में बोलने वाले को कमतर समझने की सोच बदलनी होगी। भारत की सभी भाषाएं राष्ट्रीय महत्व की हैं। असमिया, पंजाबी, बंगला, तमिल, तेलुगु, मराठी, गुजराती और हिंदी समेत सभी भारतीय भाषाएं देश की ज्ञान और सांस्कृतिक परंपरा की वाहक हैं।

हिन्दुस्थान समाचार ने शुरू किया भारतीय भाषा दिवस

डॉ. अग्निहोत्री ने बताया कि भारतीय भाषा दिवस मनाने की भावना बहुभाषी समाचार एजेंसी हिन्दुस्थान समाचार से जुड़ी है। जब हिंदी को राष्ट्रभाषा कहे जाने पर असमिया सहित अन्य भारतीय

भाषाओं के स्थान को लेकर सवाल उठे, तब यह विचार सामने आया कि भारत की सभी भाषाएं राष्ट्रीय महत्व की भाषाएं हैं। इसी भावना के साथ हिन्दुस्थान समाचार ने भारतीय भाषा दिवस मनाने की शुरूआत की।

राष्ट्र भाव की सुरक्षा भी जरूरी

डॉ. अग्निहोत्री ने कहा कि भारत के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती राष्ट्र भाव को लेकर है। राज्य को देखा जा सकता है, लेकिन राष्ट्र को नहीं। राष्ट्र हृदय में होता है। राज्य बनते-बिगड़ते रहते हैं, लेकिन राष्ट्र भाव कायम रहे तो देश जीवित रहता है। उन्होंने कहा कि आज चुनौतियां बदल गई हैं और उनके तरीके भी बदल गए हैं। ऐसे में राष्ट्र भाव की सुरक्षा के लिए योजनाओं और हट्टिकोण को भी नए सिरे से देखना होगा। भारतीय ज्ञान परंपरा को अपनी विरासत से जोड़ना और उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।